Downloaded from https:// www.studiestoday.com

हिंदी

कक्षा 2

सत्र 2019–20

DIKSHA एप कैसे डाउनलोड करें?

विकल्प 1 : अपने मोबाइल ब्राउज़र पर diksha.gov.in/app टाइप करें।
विकल्प 2 : Google Play Store में DIKSHA NCTE ढूंढ़े एवं डाउनलोड बटन पर tap करें।

DIKSHA

मोबाइल पर QR कोड का उपयोग कर डिजिटल विषय वस्तु कैसे प्राप्त करें ?

DIKSHA App को लॉच करे → App की समस्त अनुमति को स्वीकार करें → उपयोगकर्ता Profile का चयन करें।

1 पाठ्यपुस्तक में QR Code को Scan करने के लिए मोबाइल में QR Code tap करें।

2 मोबाईल को QR Code पर केन्द्रित करें।

3 सफल Scan के पश्चात् QR Code से लिंक की गई सूची उपलब्ध होगी।

डेस्कटॉप पर QR Code का उपयोग कर डिजिटल विषय–वस्तु तक कैसे पहुँचे ?

1 QR Code के नीचे 6 अंक का Alpha Numeric Code दिया गया है।

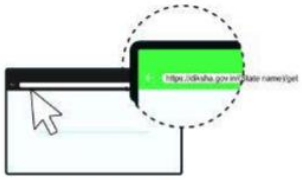

2 ब्राउज़र में diksha. gov.in/cg टाईप करें।

3 सर्च बार पर 6 डिजिट का QR CODE टाईप करें।

4 प्राप्त विषय–वस्तु की सूची से चाही गई विषय–वस्तु पर क्लिक करें।

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् छत्तीसगढ़, रायपुर

निःशुल्क वितरण हेतु

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

प्रकाशन वर्ष – 2019

ekxZ lz

संचालक

एस.सी.ई.आर.टी.छ.ग.,रायपुर

सहयोग

प्रो. रमाकांत अग्निहोत्री (दिल्ली विश्वविद्यालय),
डॉ. हृदयकांत दीवान (विद्या भवन, उदयपुर)
श्री रोहित धनकर (दिगंतर, जयपुर)

3IQQFS

संयोजक

डॉ. विद्यावती चन्द्राकर

समन्वयक

डॉ. आर.के.वर्मा

सम्पादक मण्डल

श्री राजेन्द्र पाण्डेय, स्व.डॉ.सी.एल.मिश्रा, डॉ. विद्यावती चन्द्राकर, श्रीमती विद्या डांगे

लेखक दल

राजेन्द्र पाण्डेय, सुधा खरे, अनूप नाथ योगी,सच्चिदानंद शास्त्री, दुर्गेश वैष्णव, छलिया वैष्णव, शोभा शंकर नागदा,रमेश शर्मा,दिनेश गौतम, विनय शरण सिंह, डॉ. राजेश शर्मा,रीता श्रीवास्तव, द्रोण साहू, पुष्पा शुक्ला, राजपाल कौर, लक्ष्मी सोनी, श्रीदेवी, मनोज चंद्राकर, मनोज साहू,खोजन दास डिडौरी

चित्रांकन

राजेन्द्र सिंह ठाकुर, रेखराज चौरागड़े, सुश्री अनीता वर्मा, मो. इकराम, श्री राजेश सेन

आवरण एवं ले आउट डिजाइनिंग

रेखराज चौरागड़े

प्रकाशक

छत्तीसगढ़ पाठ्यपुस्तक निगम, रायपुर (छ.ग.)

मुद्रक

मुद्रित पुस्तकों की संख्या – ....

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

आमुख

छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के साथ ही यह आवश्यक हो गया था कि नवगठित राज्य के संदर्भ में शिक्षा के सरोकारों का पुनः निर्धारण किया जाए। आवश्यकता अनुसार पाठ्यचर्या, पाठ्यक्रम एवं पाठ्यपुस्तकों का नवीनीकरण किया जाए। प्रदेश की इसी आवश्यकता को ध्यान में रखकर सत्र 2003–04 में नई शिक्षा योजना के साथ नई पाठ्यपुस्तकों के सृजन का कार्य प्रारम्भ किया गया।

राष्ट्रीय शिक्षा आयोग और मानव अधिकार आयोग प्राथमिक कक्षाओं में अध्ययनरत विद्यार्थियों के बच्चों के बस्ते में बोझ से चिंतित है। छत्तीसगढ़ शासन स्कूल शिक्षा विभाग भी इस चिंता को दूर करने के लिए प्रयासरत था। अंततः इस वर्ष उसकी पहल पर पाठ्यपुस्तकों के निर्माण की एक नई प्रक्रिया प्रारंभ की गई है। शासन द्वारा लिए गए निर्णय के फलस्वरूप इस वर्ष कक्षा पहली और दूसरी के बच्चों के लिए हिन्दी, गणित और सामान्य अंग्रेजी की पृथक–पृथक पुस्तक होगी। इन पुस्तकों में वर्कबुक समावेशित है, अतः इन कक्षाओं के लिए पृथक से वर्कबुक बनाने की आवश्यकता अनुभव नहीं की गई।

पाठ्यपुस्तक के विकास में बच्चों की अभिरुचियों को ध्यान में रखकर सीखने की गतिविधियों का सृजन एवं एन.सी.ई.आर.टी. की हिन्दी पुस्तिका रिमझिम–2 के कुछ पाठों का चयन किया गया है। विद्यालयों की परिस्थितियों व सीखने के सिद्धांतों को ध्यान में रखते हुए समूह अधिगम एवं स्व अधिगम पर बल देने का प्रयास किया गया है। इसके साथ ही पर्यावरणीय संचेतना, लिंग संचेतना आदि पहलुओं को ध्यान में रखकर पाठ्यपुस्तक संयोजित की गई है। पाठों में दी गई पाठ्यसामग्री एवं अभ्यास कार्य, भाषा शिक्षण की नवीन अवधारणाओं एवं लर्निंग आउट कम पर आधारित हैं। हम आशा करते हैं कि शिक्षक इस पाठ्यपुस्तक का प्रभावी ढंग से उपयोग कर सकेंगे।

अध्ययन–अध्यापन की प्रक्रिया रोचक और संपूर्ण कैसे बने इस पर सतत् प्रयास हो रहे हैं। यह पुस्तक भी इसी दिशा में एक कदम है।

इस पुस्तक की रचना शिक्षण के प्रति वैकल्पिक दृष्टिकोण उत्पन्न करने के उद्देश्य को सामने रखकर की गई है। इस पुस्तक में, आसपास होने वाली सहज क्रियाओं में भी भाषा के गणित के रूप को देखा जाएगा। इन क्रियाओं को रोचक गतिविधियों के साथ स्वयं करते हुए जब बच्चे आगे बढ़ेंगे तो अवश्य ही उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा।

इस पुस्तक में हर अवधारणा की शुरूआत संदर्भ से की गई है। बच्चे पहले से जितना जानते हैं उसका उपयोग उनके सीखने में हो, और वे अपने अनुभवों में कुछ नया जोड़ते चलें, फिर नई परिस्थितियों में उसका प्रयोग करें और धीरे–धीरे सीखते चलें, सीखने की इस प्रक्रिया को इस पुस्तक का आधार बनाया गया है। कक्षा 1 में यह अपेक्षा है कि कक्षा में बच्चे की भाषा का उपयोग हो, जिससे उसे अवधारणाओं को अपने भाषायी ढाँचे के साथ जोड़ने का अवसर मिले।

स्कूल शिक्षा विभाग एवं राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, छ.ग. द्वारा शिक्षकों एवं विद्यार्थियों में दक्षता संवर्धन हेतु अतिरिक्त पाठ्य संसाधन उपलब्ध कराने की दृष्टि से Energized Text Books एक अभिनव प्रयास है, जिसे ऑन लाईन एवं ऑफ लाईन (डाउनलोड करने के उपरांत) उपयोग किया जा सकता है। ETBs का प्रमुख उद्देश्य पाठ्यवस्तु के अतिरिक्त ऑडियो–वीडियो, एनीमेशन फॉरमेट में अधिगम सामग्री, संबंधित अभ्यास, प्रश्न एवं शिक्षकों के लिए संदर्भ सामग्री प्रदान करना है।

इस पुस्तक को तैयार करते समय शिक्षकों, शिक्षक–प्रशिक्षकों तथा शिक्षा क्षेत्र से सक्रिय रूप से जुड़े अनेक विद्वानों का सहयोग एवं मार्गदर्शन प्राप्त हुआ है। फिर भी सुधार करने और नया जोड़ने की संभावनाएँ तो हमेशा ही रहेंगी। इसलिए यह पुस्तक जिनके भी हाथ में है उनसे अनुरोध है कि इसे बच्चों के लिए और बेहतर बनाने के लिए अपने महत्त्वपूर्ण सुझाव परिषद् को अवश्य भेजें।

संचालक
राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
छत्तीसगढ़, रायपुर

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

शिक्षकों से कुछ बातें

कक्षा पहली की पुस्तक को पढ़ाते समय आपने देखा होगा कि भाषा–शिक्षण का उद्देश्य बच्चों को सिर्फ लिपि सिखाना नहीं है। आपने यह भी जाना होगा कि भाषा बच्चे के लिए बातचीत का माध्यम ही नहीं है वरन् उसके सोच को आगे बढ़ाने व पुख्ता बनाने का आधार भी है। भाषा के विविध उपयोगों से बच्चों की तर्क समझने व तर्क रचने की क्षमता तो बढ़ती है ही पर इसके साथ–साथ उनकी दृष्टि भी ज्यादा पैनी होती है। वह ज्यादा पहलुओं को ध्यान में रख सकते हैं और ज्यादा विस्तृत विवरण प्रस्तुत कर सकते हैं। कक्षा–1 में प्रस्तुत सभी तरीकों को जारी रखें व बच्चों को आत्मविश्वास प्राप्त करने के अधिक–से–अधिक मौके दें।

कक्षा–2 में हिंदी भाषा सिखाने की प्रमुख आवश्यकताएँ, जिन पर ज़ोर दिया जाना है नीचे दी गई हैं–

- हिंदी में विविध कविताओं, कहानियों व विवरण को पढ़कर समझने की शुरुआत करना।
- कविता व कहानी को हाव–भाव अथवा उतार–चढ़ाव के साथ सुनाने का अभ्यास करना।
- नए शब्दों के संदर्भ से अर्थ सीखने का प्रयास।
- अपने आस–पास के जीवन को पाठ की सामग्री के साथ जोड़ना व उनमें तुलना करना।
- दिए गए निर्देश को समझना व धीरे–धीरे कुछ बड़े निर्देशों को समझकर उपयोग कर पाना।
- कविता, कहानी, नाटक आदि को बच्चे खुशी–खुशी पढ़ना चाहें व नई किताबों की तलाश करें। इसके लिए इस सामग्री को पढ़ने व समझने में निहित आनंद को वे महसूस करें।
- बच्चे हिंदी और अपनी बोली में चर्चा करें व एक भाषा में कही जाने वाली बात को दूसरी भाषा में प्रस्तुत करें।
- बच्चों की, लिपि पढ़ने की क्षमता को आगे बढ़ाकर और वर्णों की पहचान के संदर्भ में उनके आत्मविश्वास को बढ़ाना।
- पढ़ना सिखाने के प्रयास को जारी रखने के साथ–साथ कक्षा दो में लिखने को आगे बढ़ाना।

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

- यह अपेक्षा है कि बच्चे पाठ को पढ़कर नहीं तो कम–से–कम सुनकर अपने ढंग से समझने का प्रयास करेंगे। शिक्षक पाठ का विश्लेषण कर उसे पूरी तरह से समझा दें व बच्चे उसे याद कर लें यह भाषा

  सिखाने का उद्देश्य नहीं है।

- लिखने की क्षमता केवल अक्षर बनाने, शब्दों, वाक्यों अथवा वाक्यों की नकल करने तक नहीं है। यह तो सिर्फ लिख पाने की पहली सीढ़ी हो सकती है।

- अपने विचार, अपने मत, अपने उत्तर, अपने अनुभव बच्चे लिखें यह प्रयास शुरू होना है।

- स्वतंत्र रूप से ऐसे लिख पाने में स्वयं सोचकर चित्र बनाना भी साथ–साथ शुरू करने से मदद मिलेगी।

- लिख पाने के लिए अभिव्यक्ति की क्षमता, खुलापन व आत्मविश्वास तीनों ही बुनियादी जरूरतें हैं। इसके साथ ही कहीं पेंसिल पकड़ना, चलाना व अक्षर बना पाना भी शामिल हैं।

प्रत्येक पाठ में विभिन्न भाषाओं की शब्दावलियों का उल्लेख है। संबंधित शिक्षक अपने क्षेत्र विशेष की भाषा का सहयोग लें।

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

विषय–सूची

	वर्णमाला	i - iv
1.	तितली और कली	1 – 4
2.	गुड़िया रानी की शादी	5 – 7
3.	कौन बोला म्याऊँ	8 – 11
4.	भालू ने खेली फुटबाल	12 – 17
5.	चालाक चीकू	18 – 20
6.	चींटी और हाथी	21 – 25
7.	एकता का बल	26 – 30
8.	कौन ?	31 – 33
9.	मिट्टी	34 – 36
10.	बहुत हुआ	37 – 40
11.	मड़ई–मेला	41 – 44
12.	ऊँट चला	45 – 48
13.	आई एक खबर	49 – 52
14.	चूहे को मिली पेंसिल	53 – 57
15.	धूप	58 – 59
16.	छोटे–छोटे कदम	60 – 62
17.	चित्रकोट जलप्रपात	63 – 66
18.	क्या है उसका नाम ?	67 – 71
19.	साहसी बनो	72 – 74
20.	परिशिष्ट	75 – 94

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

वर्णमाला

हिंदी वर्णमाला में कुल 52 अक्षर हैं।

अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ऋ
ए	ऐ	ओ	औ	अं	अः	
क	ख	ग	घ	ङ		
च	छ	ज	झ	ञ		
ट	ठ	ड	ढ	ण		
त	थ	द	ध	न		
प	फ	ब	भ	म		
य	र	ल	व			
श	ष	स	ह			
क्ष	त्र	ज्ञ				
ड़	ढ़	श्र				

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

संयुक्त अक्षर

त्र	ज्ञ	क्ष	श्र
(त्+र)	(ज्+ञ)	(क् +ष)	(श् +र)

इनके अतिरिक्त इस प्रकार से भी संयुक्त अक्षर बनते हैं–

क् + य = क्य

च् + च = च्च

त् + त = त्त

च् + छ = च्छ

ग् + य = ग्य

स् + थ = स्थ

प् + य = प्य

ड् + ड = ड्ड

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

संयुक्त अक्षरों वाले शब्द

पत्ता	प्यार	प्यास
कृष्ण	पृथ्वी	क्या
पप्पू	प्याज	चप्पू
अच्छा	भाग्य	बच्चा
स्कूल	पुस्तक	मच्छर
लड्डू	संध्या	आनन्द
न्यारी	प्यारी	क्यारी
स्वास्थ्य	ग्वाल	स्लेट

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

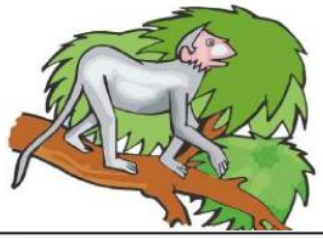	ब+न्+द+र = बन्दर
	प+त्+त+ा = पत्ता
	ि+ब+ल्+ल+ ी = बिल्ली
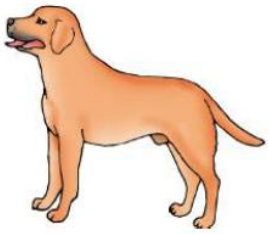	क+ु+त्+त+ा = कुत्ता
	ग+ु+ड्+ड+ ी = गुड्डी
	ब+च्+च+ा = बच्चा

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

2SCE27

पाठ 1

तितली और कली

छिटककर, महक, रंगीली, सुंदर

हरी डाल पर लगी हुई थी,
नन्ही सुंदर एक कली।
तितली उससे आकर बोली,
तुम लगती हो बड़ी भली।

अब जागो तुम आँखें खोलो,
और हमारे संग खेलो।
फैले सुंदर महक तुम्हारी,
महके सारी गली गली।
कली छिटककर खिली रंगीली,
तुरंत खेल की सुनकर बात।
साथ हवा के लगी भागने,
तितली छूने उसे चली।

शिक्षण संकेत – कविता को गाकर सुनाएँ फिर दुहराने को कहें। आसपास में पाए जाने कीट – पतंगों के बारे में बच्चों से प्रश्न पूछें। अभ्यासमाला को पेंसिल से पूरा करवाएँ। पाठ में आए कठिन शब्दों के अर्थ क्षेत्रीय भाषा/बोली में बताएँ।

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

कविता से

- तितली कली के पास क्यों गई थी?
- तितली और कली ने क्या खेल खेला?
- तितली के क्या कहने पर कली खुश हो गई?

अंदाज़ा लगाओ

- तितली कली के पास कब गई होगी?

सुबह ☐ **दोपहर** ☐ **शाम** ☐

- तुमने समय का अंदाज़ा कैसे लगाया?

मिलते–जुलते शब्द

- कविता में से वे शब्द ढूँढ़ो जो सुनने में कली जैसे लगते हैं।
  जैसे – कली, भली
- नीचे दिए गए शब्दों जैसे कुछ शब्द अपने मन से जोड़ो।

.....बोलो.....	.....तितली.....	.....डाल .....
.....	.....	.....
.....	.....	.....
.....	.....	.....

महके सारी गली–गली

- महक तुम्हें अच्छी भी लग सकती है और बुरी भी।
  अच्छी लगने वाली महक को कहेंगे .....
  बुरी लगने वाली महक को कहेंगे .....
- ऐसी चीज़ों के नाम लिखो जिनकी महक तुम्हें पसंद है और जिनकी पसंद नहीं है।

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

पसंद है	पसंद नहीं है
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

- तुम्हारे आसपास ऐसे कौन–कौन से फूल हैं जिनकी बहुत तेज़ महक है?

  फूलों के नाम अपनी भाषा में लिखो।
- तुम्हारे घर में किस–किस तरह की महक आती है?

  (जैसे – साबुन या तेल की महक गुसलखाने से)

तुम्हारी बात

खेलने के लिए कली तुरंत जाग गई थी। तुम किस काम के लिए तुरंत जाग जाओगे और किस काम के लिए जागना पसंद नहीं करोगे? क्यों?

जागेंगे	नहीं जागेंगे
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

रंग–बिरंगी

हरी डाल पर लगी हुई थी
नन्ही सुंदर एक कली

कविता में पौधे की डाल हरे रंग की बताई गई है।
नीचे लिखी चीज़ें किन–किन रंगों की हो सकती हैं ?

..... तितली ..... सूरजमुखी
..... बैंगन ..... लड्डू

..... पेंसिल ..... प्याला
..... कुर्ता ..... साग
..... संतरा ..... मिट्टी

2SLA3U

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

2SV65H

पाठ 2

xqfM+kj ktuhdh' kknh

गहरी, मित्रता, तय करना, मदद, माला, बधाई गाना, जुट जाना

चंपा और मंजु दो   थीं। दोनों में गहरी मित्रता थी। चंपा के पास   थी। मंजु के पास   था। दोनों रोज शाम को   में खेलती थीं। उनके   भी पास–पास थे।   में भी वे एक साथ पढ़ती थीं।

एक दिन दोनों ने तय किया कि वे   और   की शादी करेंगी। अगले दिन से ही वे शादी की तैयारी में जुट गईं। दोनों ने अपनी–अपनी माँ से मदद माँगी। इधर चंपा की माँ ने   का लहंगा और दुपट्टा बनाया। उधर मंजु की माँ ने   का कुर्ता और   तैयार की। सब मित्रों को शादी का निमंत्रण कार्ड भेजा गया। शादी के दिन सूरज की माँ ने फूलों की दो   बना दीं। भैया मिठाई की दुकान से   और   ले आए। उन्होंने पंडित को भी बुलवाया। रामू काका ने   बजाया और   ने बधाई गाई। इस तरह   और   की शादी हुई।

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

शिक्षण संकेत :–

1. पाठ पढ़ने का अभ्यास पूर्व से ही कर लें।
2. पाठ का आदर्श वाचन करते समय प्रश्नोत्तर तकनीक का उपयोग करें।
3. बारी–बारी से सभी बच्चों से वाचन करवाएँ।

शब्दार्थ

गहरी	= अच्छी, गाढ़ी।	मित्रता	= दोस्ती।
तय करना	= निश्चित करना।	जुट जाना	= किसी काम में लगना।
मदद	= सहायता।	माला	= हार।
बधाई गाना	= शादी के गीत गाना।		

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ –

मित्रता, माला, मदद, तय करना, बधाई गाना

2. सही क्या है –

1. चंपा के पास ..... (गुड़िया थी/गुड्डा था।)
2. चंपा और मंजू के घर ..... । (पास–पास थे/दूर–दूर थे।)
3. गुड्डा व गुड़िया की शादी के लिए उन्होंने ..... सहायता माँगी, (माँ से/पिता से)
4. मंजू की माँ ने ..... कपड़े बनाए। (गुड्डे के/गुड़िया के)
5. सूरज की माँ ने ..... (मिठाई बनाई/मालाएँ बनाई)
6. रामू काका ने .....(ढोलक बजाया/बधाई गाई)

3. अपनी सहेलियों/मित्रों के नाम लिखो –

4. तुमने अपने गाँव/घर में शादियाँ देखी होंगी। शादियों में क्या – क्या होता है, उसके बारे में बताओ।

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

5. क्या तुमने अक्ती (अक्षय तृतिया) त्यौहार के बारे में सुना है। यह त्यौहार कैसे मनाया जाता है, पता करो।

6. चित्र देखकर नाम लिखो–

_ _ _ _ _ _ _

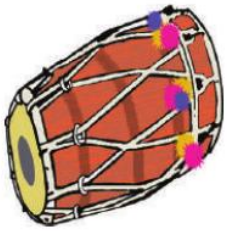

_ _ _ _ _ _ _ _

_ _ _ _ _ _ _ _

_ _ _ _ _ _ _ _

7. अपने घर में पुराने कपड़ों से गुड़िया और गुड्डा बनाओ।

8. बिंदुओं को मिलाकर चित्र पूरा करो और रंग भरो।

2T5275

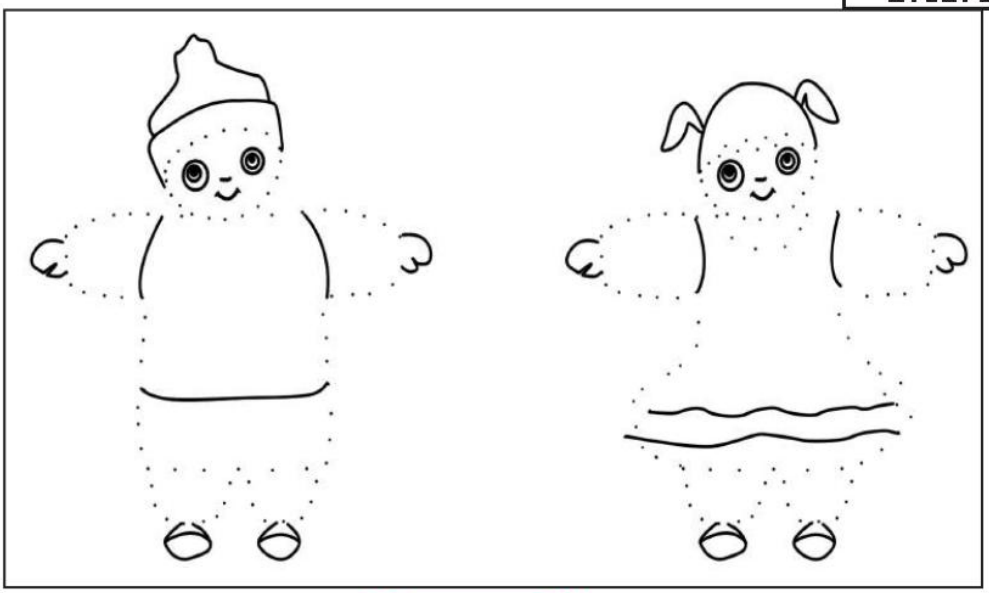

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

पाठ 3

कौन बोला म्याऊँ ?

पिल्ला	म्याऊँ	आवाज
मेंढक	फुदक	भिन्–भिन्
मधुमक्खी	झाड़ी	टर्र–टर्र

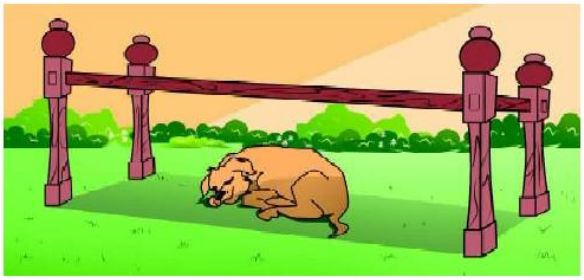

एक पिल्ला खाट के नीचे सो रहा था। तभी आवाज सुनाई दी ..... म्याऊँ! पिल्ला झट उठ बैठा। इधर–उधर देखा आवाज कहाँ से आई ? कहीं कोई नहीं था। वह घर से बाहर आया। तभी पास की झाड़ी में से एक चूहा कूदकर सामने आया।

पिल्ले ने पूछा– "क्या तुम बोले म्याऊँ ?"

"नहीं, मैं तो 'चीं–चीं' बोलता हूँ"– चूहा बोला। पिल्ला फूल के पौधे के पास पहुँचा। फूल पर एक मधुमक्खी बैठी थी। पिल्ले ने पूछा–"क्या तुम बोली म्याऊँ ?" "नहीं, मैं तो भिन्–भिन् करती हूँ।"

फिर आवाज आई "म्याऊँ।"

तालाब के किनारे एक मेंढक बैठा था।

पिल्ले ने मेंढक से पूछा– "क्या तुम बोले म्याऊँ ?"

"मैं तो टर्र–टर्र बोलता हूँ।" फिर आवाज आई, "म्याऊँ।"

"कौन बोला म्याऊँ ?"

मैं बोली म्याऊँ...

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

शिक्षण संकेत – पाठ आरंभ करने के पूर्व कुछ पालतू जानवरों की आवाज के संबंध ा में बच्चों से चर्चा करें। उसे बच्चों से निकालने को भी कहें तत्पश्चात पाठ आरंभ करें। पाठ के अंत में कुछ प्रश्न भी पूछें और उनको उत्तर देने हेतु प्रेरित करें। अभ्यासमाला को पेंसिल से पूरा करवाएँ। पाठ में आए कठिन शब्दों के अर्थ उनकी भाषा में बताएँ।

शब्दार्थ

पिल्ला = कुत्ते का बच्चा, आवाज = ध्वनि, भिन्–भिन् = मधुमक्खी की आवाज

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ –
   पिल्ला, मेंढक, मधुमक्खी, झाड़ी
2. कौन कैसे आवाज निकालता है जोड़ी बनाओ –

1. 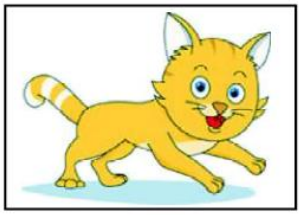 – भिन् – भिन्

2. – टर्र – टर्र

3. – भौं – भौं

4. – म्याऊँ–म्याऊँ

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

3. सही उत्तर पर ✓ का निशान लगाओ।

क. पिल्ला कहाँ सोया था ?
(खाट के नीचे / खाट के ऊपर)

ख. फूल पर कौन बैठा था ?
(मधुमक्खी / कीड़ा)

ग. तालाब के किनारे कौन बैठा था ?
(मेंढक / चूहा)

घ. म्याऊँ कौन बोला ? बताओ।
(बिल्ली / पिल्ला)

4. कौन, किसका बच्चा है? रेखा खींचकर सही जोड़ी बनाओ।

क		ख
चूजा	–	कुत्ता
पिल्ला	–	मुर्गी
बछड़ा	–	भेड़
छौना	–	गाय
मेमना	–	हिरन

5. सोचकर बताओ।

तुम अपने आस – पास बहुत सी आवाजों को सुनते होगे। बताओं ये आवाजें किसकी हैं?

1. घर्र – घर्र –
2. टन – टन –
3. ट्रिंग – ट्रिंग –
4. झुन – झुन –
5. ठन – ठन –

6. एक जैसी ध्वनि वाले शब्दों का उच्चारण करो।

क. साड़ी – गाड़ी

ख. टर्र–टर्र – फर्र–फर्र

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

ग. आस – पास

घ. झट – पट

6. कौन – कहाँ मिलेगा

स्थान 1	स्थान 2	जीव – जंतु
.....	.....	साँप
.....	.....	तोता
.....	.....	हाथी
.....	.....	गाय

7. गतिविधि –

1. नीचे बने वर्ग में बारह पशुओं एवं जंतुओं के नाम छिपे हैं, ढूँढ़कर पढ़ो।

हा	थी	गि	घो	ड़ा	म
गा	ऊँ	ल	में	ढ	क
य	ट	ह	लो	म	ड़ी
ब	क	री	ना	ग	धा
त	शे	र	हि	र	न
ख	र	गो	श	भा	लू

2. चित्र पूरा करो एवं रंग भरकर उसका नाम लिखो –

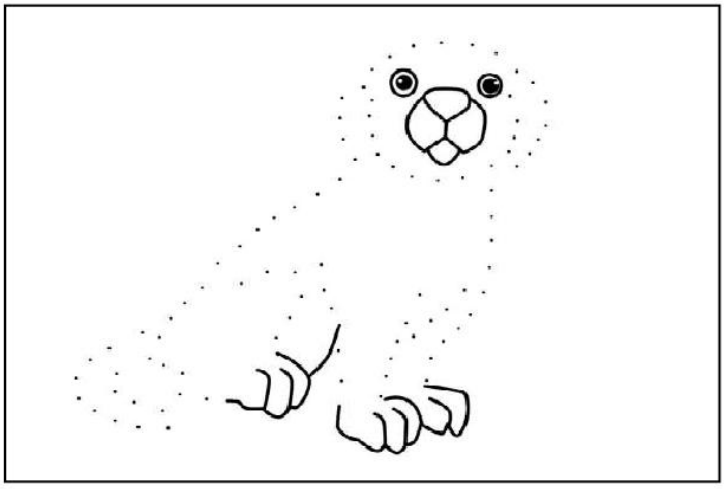

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

2TWPC3

पाठ 4

भालू ने खेली फुटबॉल

गर्मी, नजर, हड़बड़ी, कोहरा, फुर्ती, आफत

सर्दियों का मौसम था। सुबह का वक्त। चारों ओर कोहरा ही कोहरा। एक शेर का बच्चा सिमटकर गोल–मटोल बना जामुन के पेड़ के नीचे सोया हुआ था।

इधर भालू साहब सैर पर निकल तो आए थे लेकिन पछता रहे थे। तभी उनकी नज़र जामुन के पेड़ के नीचे पड़ी।

आखें फैलाई, अक्ल दौड़ाई – अहा! फुटबॉल। सोचा, चलो इससे खेलकर कुछ गर्मी हासिल की जाए।

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

मगर डाल टूट गई। भालू साहब पछताए, लेकिन अगले ही पल

आव देखा न ताव। भालू जी ने पैर से उछाल दिया शेर के बच्चे को।

हड़बड़ी में शेर का बच्चा दहाड़ा और फिर पेड़ की एक डाल पकड़ ली।

दौड़कर फुर्ती से दोनों हाथ बढ़ाए और शेर के बच्चे को लपक लिया।

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

अरे यह क्या! शेर का बच्चा फिर से उछालने के लिए कह रहा था।

एक बार फिर भालू दादा ने उछाला। दो बार तीन बार फिर बार–बार यही होने लगा। शेर के बच्चे को

उछलने में मज़ा आ रहा था। परंतु भालू थककर परेशान हो गया था।

ओह, किस आफत में आ फँसा। बारहवीं बार उछालते ही भालू ने घर की ओर दौड़ लगाई और गायब हो गया।

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

शेर के बच्चे ने कहा – ज़रा ठीक तो हो लूँ । माली ने कहा ठीक है।

अब की बार शेर का बच्चा धड़ाम से ज़मीन पर आ गया। डाल भी टूट गई।

तभी माली वहाँ आया और शेर के बच्चे पर बरस पड़ा – डाल तोड़ दी पेड़ की। लाओ हर्जाना।

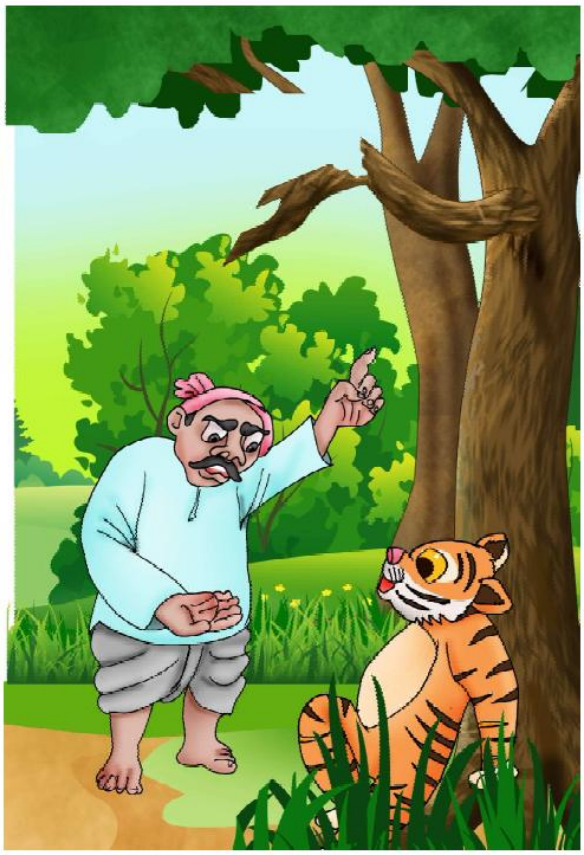

मैं अभी आता हूँ। माली के वहाँ से जाते ही शेर का बच्चा भी नौ दो ग्यारह हो लिया। उसने सोचा –जान बची तो लाखों पाए।

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

शिक्षण संकेत – पाठ आरंभ करने के पूर्व सर्दियों के मौसम और कोहरे के बारे में एवं ठंड से बचने के लिए किए जाने वाले उपाय के बार में चर्चा करवाएँ। साथ ही बच्चों के द्वारा खेले जाने वाले खेलों के विषय में बातचीत करें । पाठ में आए कठिन शब्दों के अर्थ उनकी भाषा में बताएँ।

शब्दार्थ

आफत = मुसीबत, कोहरा = धुंध, वक्त = समय, लपक = पकड़,

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ ।
   कोहरा, सुबह, गायब, जमीन, हड़बड़ी, जामुन
2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो ।
   क. शेर के बच्चे ने पेड़ की डाल क्यों पकड़ी ?
   ख. शेर का बच्चा क्यों दहाड़ा ?
   ग. भालू साहब किस बात पर पछताए ?
   घ. भालू ने क्यों कहा – ओह! किस आफत में आ फँसा ?
3. दिए हुए वाक्यों को पढ़कर पढ़ी गई कहानी के क्रम में जमाओं –
   क. भालू ने शेर के बच्चे को उछाल दिया।
   ख. शेर के बच्चे ने पेड़ की डाल पकड़ ली।
   ग. भालू ने घर की ओर दौड़ लगाई।
   घ. भालू साहब सैर को निकले।
   ड. भालू ने शेर के बच्चे को लपक कर पकड़ लिया।
4. क्या होता अगर –
   क. भालू शेर के बच्चे को न पकड़ता ?
   ख. शेर का बच्चा नौ दो ग्यारह न होता ?
5. करके देखो –
   क. जब भालू ने शेर के बच्चे को उछाला, वह दहाड़ा।
   उसके दहाड़ने की आवाज़ कैसी होगी, बोलकर दिखाओ।
   ख. नीचे लिखे कामों को कैसे करते हैं ? कक्षा में करके बताओ।

लपकना	फेंकना
कंघी करना	मोज़ा पहनना
दबे पाँव चलना	धुले कपड़े निचोड़ना

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

6. शेर के बच्चे ने सुनाई आपबीती

शेर के बच्चे ने घर जाकर अपने माता–पिता को अपनी कहानी सुनाई। उसने क्या–क्या सुनाया होगा? बताओ।

7. खेल–खेल में

क. फुटबॉल को **फुट बॉल** क्यों कहते होंगे?

ख. ऐसे खेलों के नाम बताओ जिनमें **बॉल** (गेंद) का इस्तेमाल करते हैं।

पिट्ठूल ....

8. तुम्हारी समझ से

ठंड से बचने के लिए शेर का बच्चा गोल–मटोल सिमटकर बैठ गया था।

तुम्हारे विचार से शेर का बच्चा ठंड से बचने के लिए और क्या–क्या कर सकता था?

9. ठंड से बचना

भालू ने ठंड से बचने के लिए फुटबॉल खेलने की बात सोची। तुम ठंड से बचने के लिए क्या–क्या करते हो ? (✓) का निशान लगाओ।

क. दौड़ लगाते हो।

ख. गर्म कपड़े पहनकर घर में बैठते हो।

ग. रज़ाई ओढ़ते हो।

घ. आग तापते हो।

ड. ठंडा पानी पीते हो।

च. गर्म पानी में नहाते हो।

छ. गर्म–गर्म चाय पीते हो।

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

पाठ 5

चालाक चीकू

बिल्ली मौसी हिस्सा
अंदर दौड़

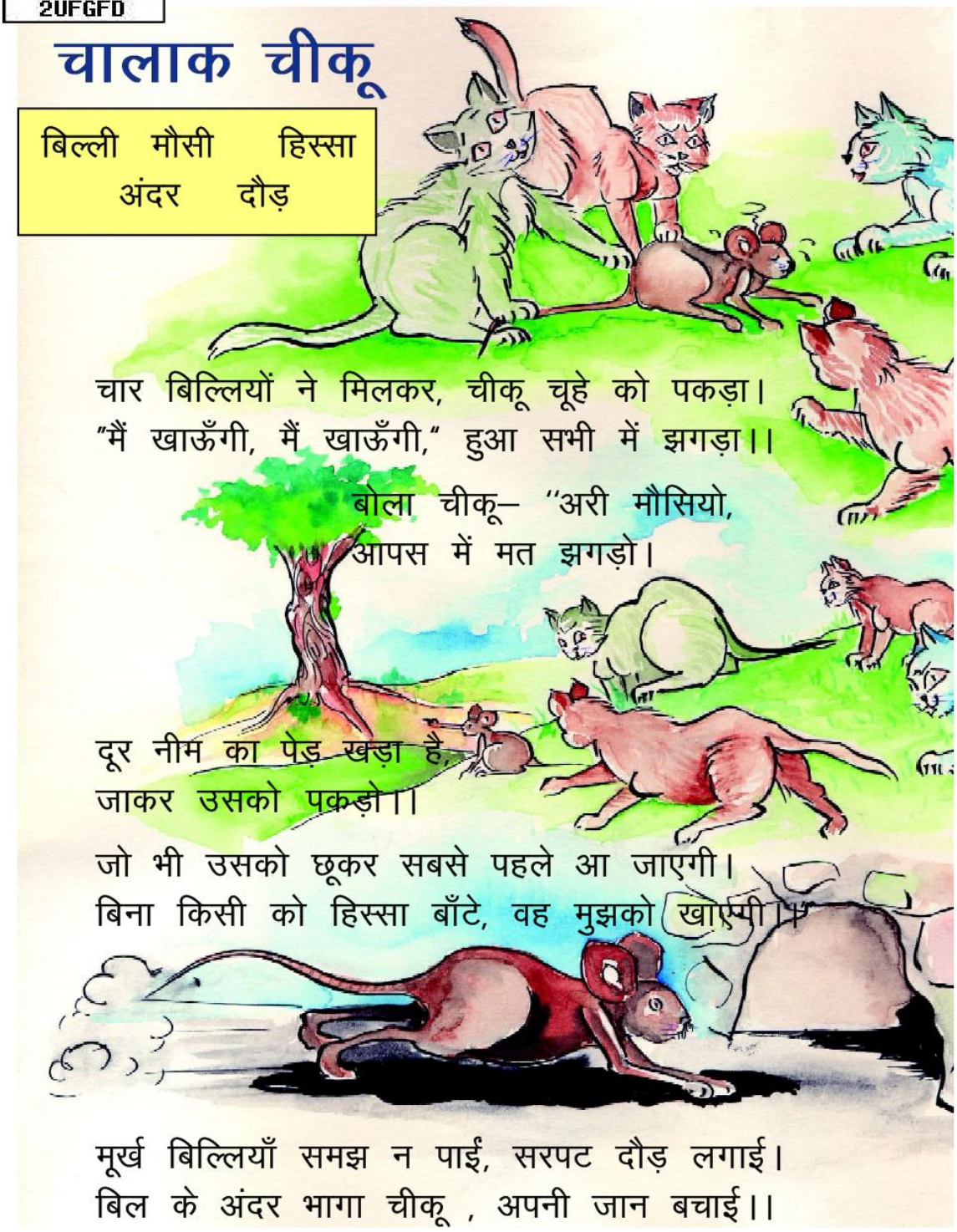

चार बिल्लियों ने मिलकर, चीकू चूहे को पकड़ा।
"मैं खाऊँगी, मैं खाऊँगी," हुआ सभी में झगड़ा।।

बोला चीकू– "अरी मौसियो,
आपस में मत झगड़ो।

दूर नीम का पेड़ खड़ा है,
जाकर उसको पकड़ो।।

जो भी उसको छूकर सबसे पहले आ जाएगी।
बिना किसी को हिस्सा बाँटे, वह मुझको खाएगी।।"

मूर्ख बिल्लियाँ समझ न पाईं, सरपट दौड़ लगाई।
बिल के अंदर भागा चीकू , अपनी जान बचाई।।

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

शिक्षण संकेत – कविता पठन के पूर्व चूहे तथा बिल्ली के स्वभाव को लेकर बच्चों से बातचीत करें। लय तथा अभिनय के साथ कविता को प्रस्तुत करें। फिर बच्चों से उसी तरह दुहराने को कहें। चूहे की चालाकी के संबंध में बच्चों से प्रश्न करें। अभ्यास माला को पेंसिल से पूरा करवाएँ। उत्तर की जाँच करें। गलत उत्तरों को पुनः सुधारने के लिए कहें। पाठ में आए कठिन शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताएँ।

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ –

   बिल्ली, मौसी, हिस्सा, अंदर, चूहा, पेड़

2. पढ़ो और समझो।

बिल्ली	–	बिल्लियाँ	नारी	–	नारियाँ
ताली	–	.....	लाठी	–	.....
आरी	–	.....	साड़ी	–	.....

3. कविता के जिन शब्दों में 'ड़' वर्ण आया है, उन शब्दों को छाँटकर लिखो।

   दौड़ _____ _____ _____

4. वाक्यों में आए परिवर्तन को रेखांकित करो।

मैं कहाँ जा रहा हूँ ?	हम कहाँ जा रहे हैं ?
तुम कहाँ जा रहे हो ?	तुम लोग कहाँ जा रहे हों ?
वह कहाँ जा रहा है ?	वे कहाँ जा रहे हैं ?

5. सोचकर बताओ –

1. कविता को कहानी में सुनाओ ।
2. चूहा और बिल्ली में कौन अधिक चालाक था ?
3. चूहा बिल्लियों से बचने के लिए और क्या तरीका अपना सकता था ?

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

6. पढ़ो और समझो।

7. चित्र बनाओ और उसके बारे में लिखो – (कोई एक)

बिल्ली, चूहा, खरगोश

33F89I

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

पाठ 6

चींटी और हाथी

सूँड़ जंग धक्का–मुक्की फूँक बित्ता जुगत अक्ल

एक रानी चींटी थी। भोजन की तलाश में वह रोज जंगल जाती। सभी चींटियाँ उसके साथ जातीं।

उस जंगल में एक हाथी रहता था। वह दिनभर घूमता रहता था। कभी इस पेड़ को तोड़ता, कभी उस पेड़ को तोड़ता। कुछ खाता, कुछ फेंक देता। लंबी सूँड़ में पानी भरता और नहाता। दूसरे जानवरों को पानी से भिगोता। जानवरों से वह धक्का–मुक्की भी करता, चींटियों को मसल देता। सभी उससे डरते थे। उससे कोई कुछ न कहता। हाथी से सभी तंग थे।

एक दिन की बात है। रानी चींटी हाथी से मिली। वह बोली, "तुम दूसरों को सताते हो, यह ठीक नहीं।"

हाथी बोला, "चुप रह! छोटी–सी जान, बित्ता भर जुबान। मेरी मर्जी, मैं चाहे जो करूँ।

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

रानी चींटी बोली–''शेर जी से कह दूँगी।''

हाथी हँसकर बोला,

''शेर से क्या कहेगी ?

वह मेरे दम पर मुखिया है।''

रानी चींटी चुप हो गई। वह घास में जाकर छिप गई। हाथी इधर– उधर घूम रहा था।

रानी चींटी चुपके से उसकी सूँड़ में घुस गई। हाथी अपनी मौज में था। चींटी सूँड़ के अंदर घुसती ही गई।

अब रानी चींटी ने हाथी की सूँड़ को काटना शुरू किया। हाथी परेशान होने लगा। उसने जोर–जोर–से सूँड़ पटकी। फूँक लगाई। कोई जुगत काम न आई। रानी चींटी ने काटना बंद नहीं किया। हाथी चीख पड़ा।

तब रानी चींटी बोली, "आया मजा बच्चू! अब क्यों रोते हो ? आई नानी याद ?"

रानी चींटी हाथी को काटती रही। हाथी गिर पड़ा। बोला, ''चींटी रानी, चींटी रानी! माफ करो, माफ करो। अब किसी को नहीं सताऊँगा। किसी को छोटा न मानूँगा।'' रानी चींटी ने सोचा, "हाथी को अब आई अक्ल"। रानी चींटी सूँड़ से बाहर आई; बोली, ''हाथी दादा! हाथी दादा! जमाना बदल गया है।''

हाथी ने सूँड़ उठाकर हामी भरी।

शिक्षण संकेत – पाठ में निहित उद्देश्य एवं मूल्य को बच्चों को समझाएँ। अन्य छोटी–छोटी कहानियों से बच्चों में सुनने की क्षमता विकसित करें। स्थानीय परिवेश को ध्यान में रखते हुए कहानी में निहित मूल्यों का ज्ञान कराएँ। पाठ में आए कठिन शब्दों का अर्थ उनकी भाषा में बताएँ।

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

शब्दार्थ

सताना	=	तंग करना	मौज	=	मस्ती
जुबान	=	जीभ	जुगत	=	तरकीब, उपाय
मर्जी	=	इच्छा	हाँमी भरना	=	हाँ कहना

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ–

   सूँड़, जंग, धक्का–मुक्की, फूँकना, जुगत, अक्ल

2. बताओ, कौन–सी बात सही और कौन–सी गलत है।

   क. सभी चींटियाँ, रानी चींटी के साथ जंगल जाती थीं।(––––––)

   ख. हाथी जानवरों से प्यार करता था। (––––––)

   ग. रानी चींटी चुपके से हाथी की सूँड़ में घुसी। (––––––)

   घ. जंगल के जानवर रानी चींटी से परेशान थे। (––––––)

3. उल्टे अर्थ वाले शब्दों को पढ़ो व समझो –

अच्छा	–	बेकार	भीतर	–	बाहर
ऊपर	–	नीचे	दुखी	–	सुखी
ज्यादा	–	कम	बड़ा	–	छोटा

4. नीचे लिखे शब्दों की सहायता से वाक्य पूरे करो –

सूपा	सूँड़	पूँछ	पैर	पंख	चोंच	दाँत	आँखें

   क. तोते की –––––––––––––– लाल होती है।

   ख. हाथी की –––––––––––––– लम्बी होती है।

   ग. चिड़िया के दो –––––––––––– होते हैं।

   घ. जानवरों के चार –––––––––––– होते हैं।

   ङ. कुत्ते की ––––––––––––––– टेढ़ी होती है।

   च. हाथी के कान ––––––––––––– जैसे होते हैं।

   छ. हाथी के ––––––––––––––– बड़े–बड़े होते हैं।

   ज. हाथी की ––––––––––––––– छोटी होती हैं।

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

5. गतिविधि :–

आसपास की अन्य छोटी कहानियाँ कक्षा में सुनाओ ।

6. सोंचकर बताओ –

अगली बार जब चींटी और हाथी मिलेंगे तो आपस में क्या बातचीत करेंगे ?

.... ।

.... ।

.... ।

.... ।

7. चींटी ने जंगल में क्या – क्या खाया होगा ? तुम क्या – क्या खाते हो ?

....

....

....

....

....

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

8. चींटी को जंगल में खाने के लिए और क्या – क्या मिला होगा, उनके नाम लिखो।

....

....

....

....

9. जंगल का चित्र बनाकर रंग भरो –

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

347VEG

पाठ 7

एकता का बल

पीपल	कबूतर	भोजन	धरती	चिल्लाना	बहेलिया	
क्षमा	इशारा	मित्र	उन्हें	मदद	बूढ़ा	धन्यवाद

जंगल में पीपल का एक पेड़ था। उस पेड़ पर बहुत–से कबूतर रहते थे। कबूतर दिनभर भोजन की खोज में उड़ते रहते। रात होने पर वे सब पीपल के पेड़ पर लौट आते।

एक दिन की बात है। कबूतर भोजन की तलाश में उड़े। थोड़ी दूर उड़ने पर एक छोटा कबूतर बोला, "देखो, उधर देखो। धरती पर कितना दाना बिखरा पड़ा है।"

सभी कबूतर उधर देखने लगे। उन्हें धरती पर बहुत–सा दाना दिखाई पड़ा। वे धीरे–धीरे नीचे उतरने लगे।

तभी एक बूढ़ा कबूतर बोला, "ठहरो, ठहरो। अभी वहाँ मत जाओ। जंगल में इतना दाना कहाँ से आया?"

दूसरा कबूतर बोला, "कहीं से भी आया हो। आओ, हम सब मिलकर दाना चुगें।"

कबूतर धरती पर उतर गए। वे दाना चुगने लगे। पर बूढ़ा कबूतर उनके साथ नहीं गया। वह दूर से ही देखता रहा। कबूतरों ने पेट भर दाना खाया। अब वे उड़ना चाहते थे, पर उड़ न सके। वे जाल में फँस गए थे। कबूतर चिल्लाने लगे, "बचाओ, बचाओ, हम जाल में फँस गए हैं।"

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

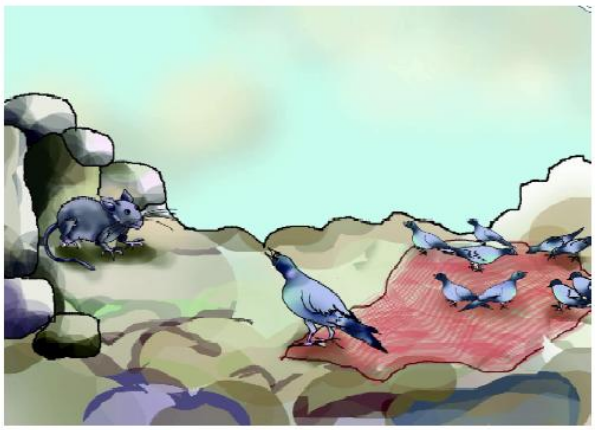

तभी एक कबूतर चिल्लाया, "उधर देखो। अरे, अरे, वह तो बहेलिया है। वह हमें पकड़ने आ रहा है।"

बूढ़ा कबूतर बोला, "घबराओ मत। सब मिलकर जोर लगाओ। जाल को लेकर एक साथ उड़ चलो।"

सभी कबूतरों ने मिलकर जोर लगाया। जाल कुछ ऊँचा उठा तो कबूतरों ने और जोर लगाया।

अब कबूतर जाल लेकर उड़ने लगे। बूढ़ा कबूतर आगे–आगे उड़ रहा था। सब कबूतर उसके पीछे थे।

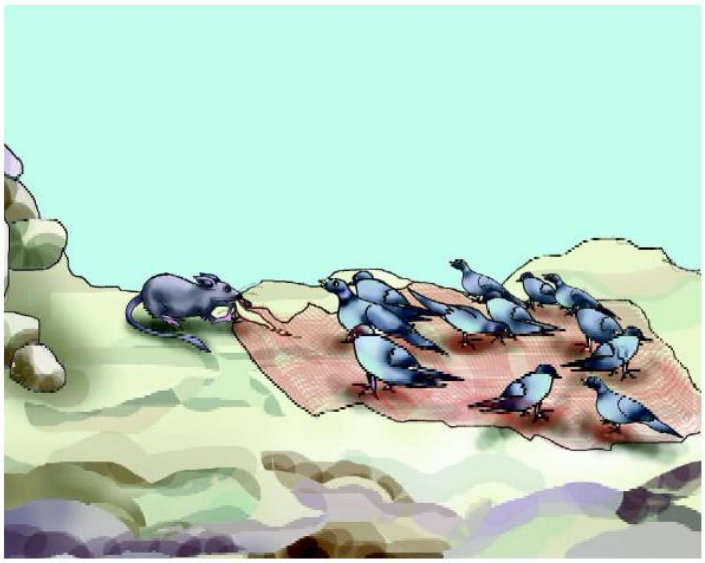

बूढ़ा कबूतर उन्हें लेकर बहुत दूर उड़ गया। उसने एक टूटे–फूटे मकान की तरफ इशारा किया। वह बोला, "यहाँ एक चूहा रहता है। वह मेरा मित्र है। वह हमारी मदद करेगा। यहीं उतर जाओ।"

बूढ़े कबूतर ने चूहे को बुलाया। चूहे ने जाल काट दिया। कबूतर जाल से निकल आए। उन्होंने चूहे को धन्यवाद दिया। सभी कबूतरों ने अब बूढ़े कबूतर से क्षमा माँगी और उसे धन्यवाद दिया।

शिक्षण संकेत – एकता का अर्थ बच्चों को बताएँ। कक्षा में रखी मेज को किसी एक बच्चे से हटाने को कहें फिर वही मेज उस बच्चे के साथ पाँच अन्य बच्चे मिलकर हटाएँ। बच्चे ने क्या महसूस किया उसे कक्षा के अन्य बच्चों से साझा करवाएँ। एकता की कोई अन्य कहानी कक्षा में सुनाएँ। कठिन भावों को बच्चों की भाषा में स्पष्ट करें।

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

शब्दार्थ

पाँव = पैर, क्षमा = माफी, तलाश = खोज, मदद = सहायता
मित्र = दोस्त, बहेलिया = जाल बिछाकर पक्षियों को पकड़ने वाला।

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ –

बहेलिया, क्षमा, इशारा, मदद

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर बताओ –

क. कबूतर कहाँ रहते थे ?

ख. छोटे कबूतर ने क्या देखा ?

ग. बूढ़ा कबूतर दूसरे कबूतरों के साथ क्यों नहीं गया ?

घ. कबूतर क्यों नहीं उड़ सके ?

ङ बूढ़ा कबूतर सबको लेकर कहाँ गया ?

च. सभी कबूतरों ने बूढ़े कबूतर से क्षमा क्यों माँगी ?

3. हमारे मददगार कौन – कौन हैं –

भोजन के लिए – ....

स्वास्थ्य के लिए – ....

शिक्षा के लिए – ....

कपड़ों के लिए – ....

4. सही शब्द चुनकर ✓ का निशान लगाओ।

(दाना, धरती, मदद, क्षमा, जाल)

क. बहुत–सा दाना ———— पर बिखरा था। (धरती, आसमान)

ख. जंगल में इतना ———— कहाँ से आया ? (दाना, खाना)

ग. कबूतर ———— में फँस गए। (जाल, कीचड़)

घ. चूहा हमारी ———— करेगा। (मदद, दया)

ङ कबूतरों ने बूढ़े कबूतर से ———— माँगी। (क्षमा, सहायता)

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

5. ड़, ढ़, त्र, क्ष वर्णों से बने एक–एक शब्द खोजकर लिखो।

_____ _____ _____ _____

6. सही मिलान कर वाक्य बनाओ और बोलो –

क.	कबूतर	–	जाल काट दिया।
ख.	चूहे ने	–	आगे–आगे उड़ रहा था।
ग.	कबूतरों ने	–	पीपल के पेड़ पर रहते थे।
घ.	बूढ़ा कबूतर	–	चूहे को धन्यवाद दिया।

7. पढ़ो और समझो। दिए गए शब्दों के अनुसार शब्द बनाकर लिखो।

बूढ़ा	–	बूढ़े	–	बूढ़ों
चूहा	–	_____	–	_____
गधा	–	_____	–	_____
घोड़ा	–	_____	–	_____

8. दिए गए चित्र को पहचानकर वाक्य बनाओ –

कबूतर पेड़ पर रहता है ।

कबूतर ..... चुगता है ।

.....

.....

.....

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

9. दिए गए चित्र पर चर्चा कर कहानी बनाओ।

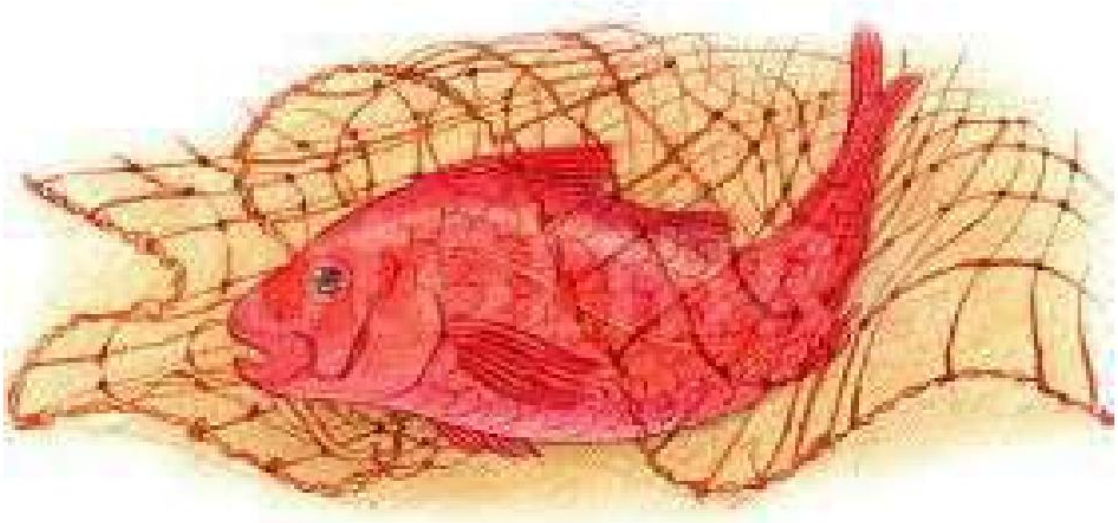

34GRG4

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

पाठ 8

कौन ?

चाँद	प्यास	मुस्काता
प्रश्न	निर्मल	इन्द्रधनुष

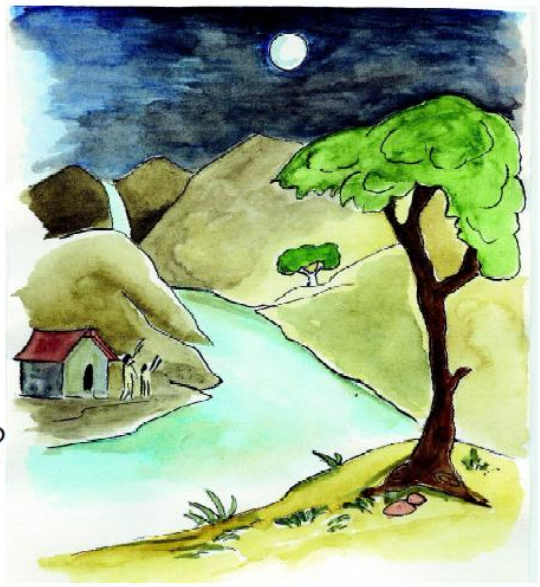

अगर न होता चाँद, रात में
हमको दिशा दिखाता कौन ?
अगर न होता सूरज, दिन को
सोने–सा चमकाता कौन ?

अगर न होतीं निर्मल नदियाँ
जग की प्यास बुझाता कौन ?
अगर न होते पर्वत, मीठे
झरने भला बहाता कौन ?

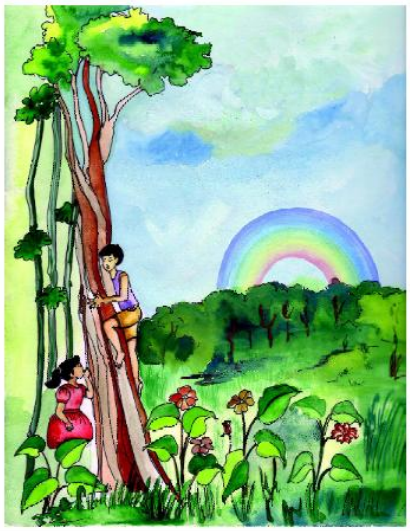

अगर न होते पेड़, भला फिर
हरियाली फैलाता कौन ?
अगर न होते फूल बताओ,
खिल–खिलकर मुस्काता कौन ?

अगर न होते बादल, नभ में
इंद्रधनुष रच पाता कौन ?
अगर न होते हम, तो बोलो,
ये सब प्रश्न उठाता कौन ?

शिक्षण संकेत – लयबद्ध कविता पाठ करें और बच्चों को दुहराने को कहें। पहाड़, नदी, झरने, पेड़–पौधे, आदि पर चर्चा कर बच्चों को पर्यावरण की सरल छोटी–छोटी बातों से अवगत कराएँ। उनकी भाषा में कविता का अर्थ बताएँ एवं कठिन शब्दों के अर्थ से भी परिचित कराएँ।

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

शब्दार्थ

नभ	=	आकाश	जग	=	दुनिया, संसार
पर्वत	=	पहाड़	प्रश्न	=	सवाल
हरियाली	=	चारों ओर हरा–ही–हरा होना			
निर्मल	=	बिना मैल का, स्वच्छ, साफ			

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ –

   नभ, पर्वत, निर्मल, हरियाली, मिट्टी

2. समझकर एक–एक वाक्य में उत्तर लिखो।

   क. जिस रात चाँद नहीं निकलता, वह रात कैसी लगती है?

   _____

   ख. दिन में उजाला हमें किससे मिलता है ?

   _____

   ग. हरियाली किनके कारण दिखाई पड़ती है ?

   _____

   घ. इंद्रधनुष में कितने रंग होते हैं ?

   _____

3. अगर तुम्हें इस कविता का नाम बदलने को कहे तो तुम क्या नाम दोगे और क्यों?

4. क्या तुमने इन्द्रधनुष कभी देखा है ? देखा है तो तुम्हे कौन – कौन से रंग दिखाई देते हैं, बताओ ।

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

5. चित्र बनाकर रंग भरो –

(पेड़, पर्वत, सूरज, नदी, फूल, इंद्रधनुष)

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

359EL2

पाठ 9

मिट्टी

मिट्टी, बूँद, सोंधी–सोंधी, सुंदर, रंग–बिरंगे, खिलौने, सलोने, मोल

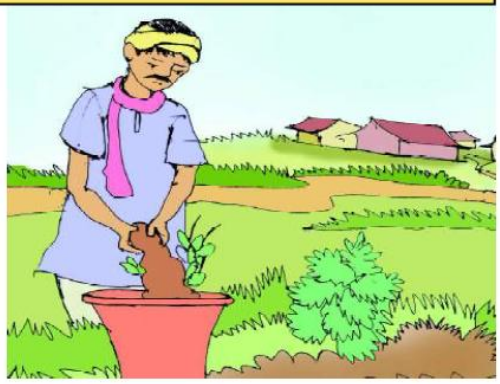

गाँव, गली, खेतों में मिट्टी
बाहर मिट्टी, घर में मिट्टी।
टप–टप, टप–टप बूँद पड़ी तो,
महकी सोंधी–सोंधी मिट्टी।।

मिट्टी से घर बने हैं कितने,
मिट्टी पर वे खड़े हैं कितने।
सुंदर फूल खिलाती मिट्टी,
सबका बोझ उठाती मिट्टी।।

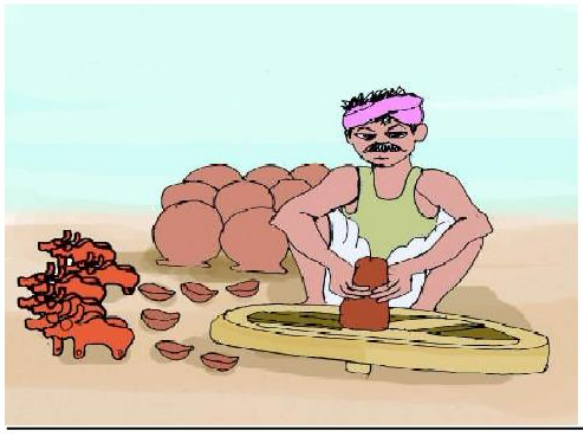

गमले, मटके सजे सलोने,
रंग–बिरंगे बने खिलौने।
कुछ भी मोल न लेती मिट्टी,
सोचो क्या–क्या देती मिट्टी।।

शिक्षण संकेत :– कविता का सस्वर वाचन करें एवं बच्चों को दुहराने के लिए कहें। कविता में आए अपरिचित शब्दों का अपनी भाषा में अर्थ बताएँ। अभ्यास के प्रश्नों में दिए गए निर्देशों को पढ़कर बच्चों को समझाएँ व अभ्यास के प्रश्नों को पेंसिल से हल करवाएँ।

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

क्या किसी भी मिट्टी से खिलौने बनाए जा सकते हैं?

मोनू और जय मेले में गए। मेले में उन्होंने सुंदर–सुंदर खिलौने देखे। घर आकर उन्होंने भी खिलौने बनाने चाहे। घर के सामने मुरम पड़ी थी। वे दोनों मुरम के खिलौने बनाने लगे। पर मुरम के खिलौने नहीं बने। मुरम में छिपी मकड़ी ने उचककर कहा, "अरे, मोनू! इस मिट्टी के खिलौने नहीं बनेंगे। चलो, हम कहीं अच्छी मिट्टी ढूँढ़ते हैं।" थोड़ी दूर एक मकान बन रहा था। सामने रेत का ढेर लगा था। मोनू, जय और मकड़ी ने खिलौने बनाने के लिए रेत में पानी डाला। रेत में से पानी बह गया। रेत में छिपे घोंघे ने कहा, "जय भैया! यह तो रेत है, इसके खिलौने नहीं बनेंगे।" वहीं एक केंचुआ मिट्टी खोद रहा था। वह रेंगता हुआ आया और गर्दन मटकाकर बोला, "मोनू दीदी! नदी की मिट्टी के खिलौने अच्छे बनेंगे।" सबने नदी के किनारे की मिट्टी खोदी। मिट्टी में से घास निकाली, मिट्टी इकट्ठी की। सबने मिलकर खिलौने बनाए।

शब्दार्थ

सलोने = सुंदर, मोल = मूल्य

सोंधी–सोंधी = सूखी मिट्टी पर पानी पड़ने से उठने वाली सुगंध

अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपनी भाषा में बताओ –

   क. मिट्टी से क्या–क्या चीजें बनती हैं?

   ख. खिलौने किन–किन चीजों से बनते हैं?

2. नीचे लिखे शब्दों को पढ़ो और लिखो।

गाँव	– .....।	मिट्टी	– .....।
सोंधी	– .....।	सुंदर	– .....।
रंग–बिरंगे	– .....।	सलोने	– .....।

3. पढ़ो और समझकर लिखो –

गाँव	– पाँव, छाँव, ..., ...	फूल	– ..... ,.....
महकी	– ..... ,.....	खिलाती	– ..... ,.....
गली	– ..... ,.....		

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

4. मिट्टी लाकर खिलौने बनाओ, जैसे– चक्का, बेलन, लोटा, गिलास, आदि। सूख जाने पर उन्हें रँगो और अपनी कक्षा में सजाओ।

5. निम्नलिखित स्थानों पर बच्चों को ले जाकर वहाँ की मिट्टी एकत्र करवाएँ और उनके अंतर के बारे में चर्चा कराएँ–

1. धान का खेत 2. मैदान 3. नदी किनारे

धान का खेत	मैदान	नदी किनारे

35IAMP

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

पाठ 10

बहुत हुआ

35S6PC

कीचड़, बोरियत, सुआ, दुआ, मौन

बादल भइया
बहुत हुआ !
कीचड़–कीचड़
पानी पानी,

याद सभी को
आई नानी,
सारा घर
दिन रात चुआ।

जाएँ कहाँ !
कहाँ पर खेलें ?
घर में फँसे
बोरियत झेलें।
ज्यों पिंजरे में
मौन सुआ।

सूरज दादा
धूप खिलाएँ,
ताल नदी
सड़कों से जाएँ,
तुम भी भैया
करो दुआ !

शिक्षण संकेत – लयबद्ध कविता पाठ करें और बच्चों को दुहराने को कहें। बरसात के मौसम और उस समय होने वाली परिवर्तनों पर चर्चा करें। उनकी भाषा में कविता का अर्थ बताएँ एवं कठिन शब्दों के अर्थ से भी परिचित कराएँ।

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

शब्दार्थ

मौन	=	शांत, चुप	सुआ	=	तोता
ताल	=	तालाब	सूरज	=	सूर्य

अभ्यास

1. बारिश कहने पर तुम्हारे मन में कौन–कौन से शब्द आते हैं? सोचो और लिखो।

.....

.....

.....

2. जब बहुत बारिश होने लगती है तब तुम कहाँ खेलते हो? कौन–कौन से खेल खेलते हो?

.....

.....

.....

3. जब खूब तेज़ बारिश होती है तो तुम्हारे घर के आसपास कैसा दिखाई देता है?

4. बारिश में खूब पानी बरसता है। यह सब पानी कहाँ–कहाँ जाता है?

5. ये सब बारिश से बचने के लिए क्या करेंगे? बताओ –

– लोग
– कबूतर
– केंचुआ
– कुत्ता
– मछली
– मोर

6. **बहुत हुआ !**

बड़े लोग ऐसा कब कहते हैं –

बहुत हुआ, अब चुपचाप बैठो !

क. जब हम .....

ख. बहुत हुआ, अब अंदर चलो !

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

जब हम .....

ग. बहुत हुआ, अब सो जाओ!
जब हम .....

घ. बहुत हुआ, अब टी.वी. बंद करो!
जब हम .....

7. कविता से

कविता में ऐसा क्यों कहा गया होगा?

क. तेज़ बारिश होने पर सड़कें नदी बन जाती हैं।
ख. सब ओर कीचड़ होने पर नानी याद आती है।

8. अब नहीं बरसूँगा!

एक दिन बादल ने सोचा, मैं अब कभी नहीं बरसूँगा। जब मैं बरसता हूँ तब भी लोग मेरी बुराई करते हैं। जब नहीं बरसता हूँ तब भी मेरी बुराई करते हैं। आज से बरसना बिल्कुल बंद। फिर क्या हुआ होगा ? कहानी को आगे बढ़ाओ।

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

9. अपने अनुभव बताओं –

1. क्या तुमने बारिश के दिनों में कागज की नाव बनाकर पानी में तैराई हैं। कागज की एक नाव बनाओं।
2. बारिश के दिनों में पानी में भीगना कैसा लगता है?
3. आपको सबसे अच्छा मौसम कौन–सा लगता है। और क्यों?
4. बारिश से संबंधित कविताएँ ढूँढकर कक्षा में सुनाओं?

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

पाठ 11

मड़ई–मेला

कंघी	चिल्लाना	मोहरी
मंगल	फुग्गा	मुश्किल

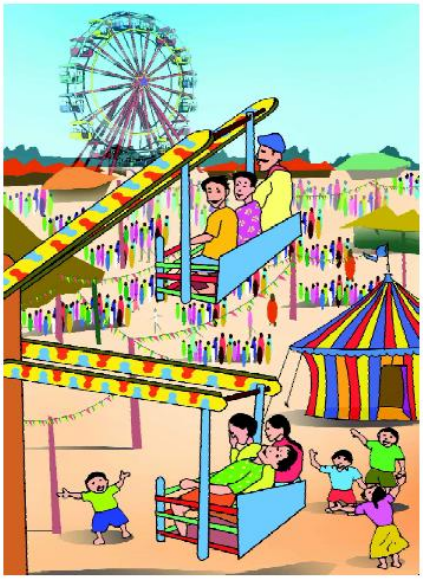

आज हमारे गाँव में मड़ई–मेला है। बुधिया, सुकवारो और संगीता आज सुबह से ही मेले में जाने के लिए तैयार हैं। चैतू, मंगल और समारू भी तेल, कंघी कर तैयार हैं। सभी बच्चे खाना खाकर मेला देखने चल पड़े।

वे मेले के करीब पहुँचे तभी उन्हें रहँचुली की आवाज सुनाई पड़ने लगी। जल्दी–जल्दी चलकर सब मेले में पहुँचे। सभी झूले के पास जाकर डट गए। जैसे ही झूला रुका सभी बच्चे बैठने के लिए कूद पड़े। बैठ जाने के बाद झूला शुरू हुआ। बच्चे खुशी से चिल्लाने लगे। समारू को बहुत डर लग रहा था। उसने अपना मुँह छुपा लिया था।

सभी झूला झूलकर वहाँ से आगे बढ़े। इतने में ही दफड़ा, निसान और मोहरी बाजे की आवाज सुनाई पड़ने लगी। सभी ओर खुशी का शोर उठा– "मड़ई आ गई, मड़ई आ गई।"

सुंदर रंग–बिरंगी पोशाकों और फूल–मालाओं से सजे राउत लोगों का समूह दिखाई पड़ा। सभी लोग बाजे की धुन पर नाचते हुए आगे बढ़ रहे थे।

राउतों के मुखिया के हाथ में मड़ई थी। राउत लोग इसे गाँव से परघाकर मेले में लेकर आ गए थे। मड़ई को मेले में गाड़कर लोग उसकी पूजा करते रहे। राउतों का नाच बाजे–गाजे के साथ चल रहा था। अब मेला पूरी तरह से भर चुका था।

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

मेले में तरह–तरह की दुकानें थीं। रंगीन फुग्गों से मेले में बहार आ गई थी। बच्चों ने गुलगुला, भजिया, मुर्रा लाडू, करी लड्डू खरीदे और खाते हुए घूमते रहे। सुकवारो ने जलेबी खाई। समारू एक बड़ा–सा गन्ना खरीद लाया। गन्ने के टुकड़े बनाकर सभी गन्ना चूसते रहे।

सभी बच्चे खिलौने की दुकान पर पहुँच गए। सुकवारो ने जहाज़, संगीता ने गुड़िया और बुधिया ने रेल खरीदी। चैतू ने मोर, मंगल ने कार और समारू ने एक बड़ी गेंद ली। सब बच्चे घूम–घूमकर सामान खरीदते रहे। अंत में सभी ने तरह–तरह के फुग्गे खरीदे। सभी बच्चे एकत्र हो जाने के बाद वापस घर की ओर चल पड़े। वे बहुत खुश लग रहे थे।

शिक्षण संकेत :– संयुक्त वर्ण वाले शब्दों के उच्चारण एवं लेखन का अभ्यास करवाएँ। कठिन शब्दों के अर्थ उनकी भाषा में बताएँ। प्रश्नों के अभ्यास यथास्थान पेंसिल से करवाएँ। बच्चों को आरोह–अवरोह के साथ पढ़ना सिखाएँ।

शब्दार्थ

करीब	=	पास	पोशाक	=	पहनने के कपड़े
लाडू	=	लड्डू	एकत्र	=	इकट्ठे
रहचुली	=	एक प्रकार का झूला			
परघाकर	=	पूजा कर, स्वागत करके			
दफड़ा	=	ढप या ढपली की तरह का एक बाजा			
निसान	=	एक प्रकार का बाजा			
मोहरी बाजा	=	पिपिहरी, शहनाई की तरह का बाजा			

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ –

   करीब, पोशाक, एकत्र, मुश्किल, रहँचुली

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर बताओ –

   क. रहँचुली किसे कहते हैं ?

   ख. राउतों के मुखिया के हाथ में क्या था ?

   ग. मेले में लोग किसकी पूजा कर रहे थे ?

   घ. राउत लोगों की पोशाक कैसी थी ?

   ड. बच्चों ने मेले में क्या–क्या खाया ?

3. निम्नलिखित चीजें किस रंग की होती हैं ? लिखो –

   क. पका टमाटर लाल

   ख. श्यामपट .....

   ग. नीम के पत्ते .....

   घ. मूली .....

   ङ सूरजमुखी का फूल .....

4. खिलौने की इस दुकान से तुम क्या – क्या खरीदोगे –

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

_____

_____

5. तुमने मड़ई–मेले में क्या–क्या देखा ? लिखो –

_____

_____

5. तुम्हारे गाँव में मड़ई–मेला कब लगता है ? उसमें तुम क्या – क्या करते हो –

_____

_____

6. शब्दों की रेल –

7. 'मैं' या 'तुम' लगाकर वाक्य पूरे करो –

क. ——— रायपुर जा रहा हूँ।
ख. ——— नहा रहे हो।
ग. ——— पढ़ रहा हूँ।
घ. ——— रायपुर जाओ।
ङ ——— कहाँ जा रहे हो?

8. तुम मेले में जाते तो क्या–क्या खरीदते ?

9. गतिविधि :–

1. गत्ते, कागज और माचिस की खाली डिबिया से रहचुला बनाओ।
2. अपने गाँव/शहर के मेले का चित्र कापी में बनाओ।
3. मड़ई/मेले का भ्रमण कर अपना अनुभव सुनाओ।

36JTUA

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

पाठ 12

ऊँट चला

ऊँट	बोझ	फँसेगा
ऊँचा	गर्दन	करवट

ऊँट चला भई, ऊँट चला
हिलता–डुलता ऊँट चला।

इतनी लंबी टाँगों वाला
ऊँची लंबी गर्दन उसकी।

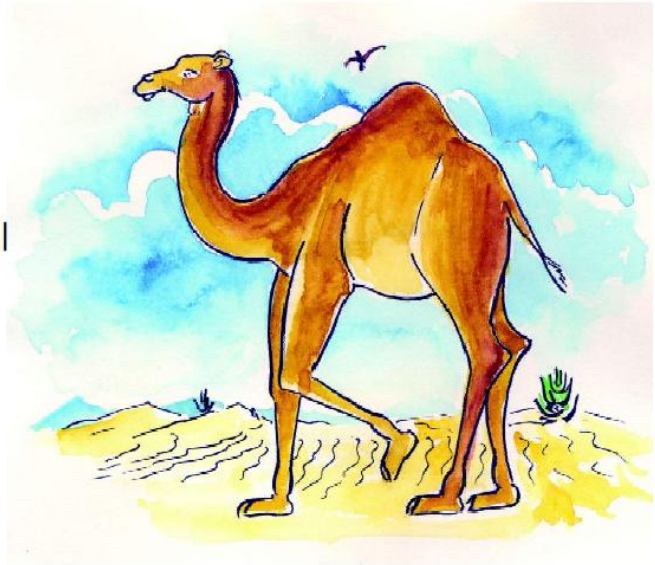

ऊँची गर्दन, ऊँची पीठ,
पीठ उठाए, ऊँट चला।

बालू है तो होने दो,
बोझ ऊँट को ढोने दो।

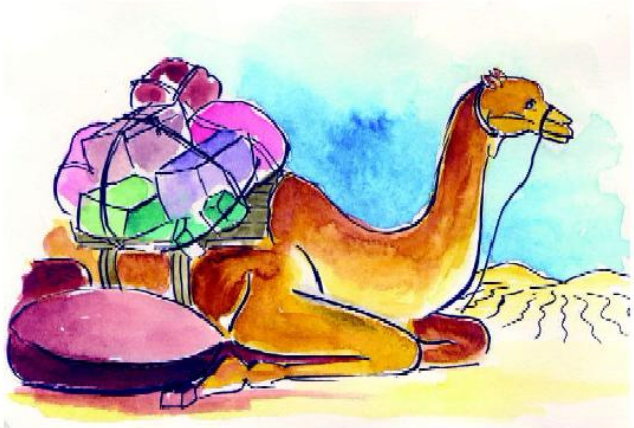

नहीं फँसेगा बालू में,
बालू में भी ऊँट चला।

जब थककर बैठेगा ऊँट,
किस करवट बैठेगा ऊँट?

बता सकेगा कौन भला?
ऊँट चला भई, ऊँट चला।

शिक्षण संकेत – कविता को लयपूर्वक गाएँ और बच्चों को दुहराने को बोलें। अपरिचित शब्दों के अर्थ उनकी भाषा में बताएँ। चंद्रबिंदु वाले शब्दों का उच्चारण करना सिखाएँ।

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

शब्दार्थ

भई – भाई बालू – रेत

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ –

गर्दन, करवट, ऊँचा

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर बताओ –

क. ऊँट की गर्दन कैसी होती है?
ख. लंबी टाँगों वाले अन्य जानवर कौन–कौन–से हैं?
ग. ऊँट किस तरह की भूमि में भी चल सकता है?
घ. ऊँट की पीठ की बनावट कैसी होती है?
ड. ऊँट किस काम आता है?
च. सवारी के काम आने वाले जानवरों के नाम बताओ।
छ. यदि तुम्हारे घर ऊँट होता तो उससे तुम क्या–क्या काम लेते?

3. ऊँट से ऊँचे व छोटे चीजों तथा जीवों के नाम लिखो –

ऊँचे	छोटे
पेड़	खरगोश
_____	_____
_____	_____

4. चंद्रबिंदु वाले तथा बिना चंद्रबिंदु वाले शब्दों को छाँटकर अलग–अलग लिखो।

पूँछ, फूल, ऊन, झूठ, ऊँच, ठूँठ, खूँट, छूट, धूप, ऊँट, आँसू।

चंद्रबिंदु वाले शब्द	बिना चंद्रबिंदु वाले शब्द
_____, _____	_____, _____
_____, _____	_____, _____
_____, _____	_____, _____

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

5. गतिविधि :–

1. ऊँट का चित्र पत्र – पत्रिकाओं से काटकर अलग करो और उसे अपने पोर्टफोलियो में लगाओ तथा ऊँट का चित्र बनाओ –

2. अपने बड़ों से या गुरुजी से पूछकर ऊँट की दो ऐसी विशेषताएँ बताओ जो उसे अन्य किसी भी जानवर से अलग करती हैं।

6. झटपट कविता पढ़कर मजा लो ।

कुछ ऊँट ऊँचा

कुछ पूँछ ऊँची

कुछ ऊँचे ऊँट की

पीठ ऊँची

"ऊँट" शब्द जल्दी–जल्दी बोलकर देखो ।

जीभ लड़खड़ा गई न !

कैसी लगी कविता ? अब इस कविता को कोई नाम दो ।

ऊपर दी गई जगह में उसे लिखो।

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

7. बताओं इन्हें तुम्हारी भाषा में क्या कहते है पहचान कर नाम लिखो–

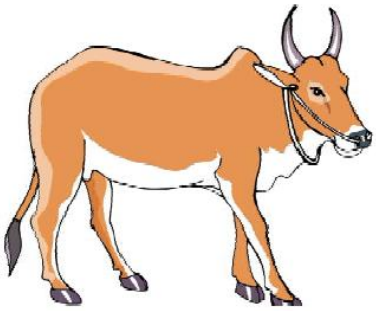

.....

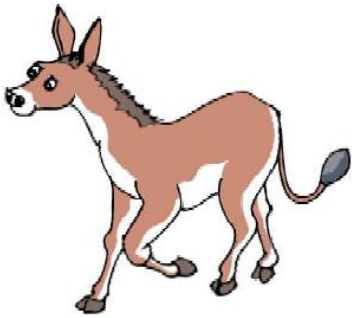

.....

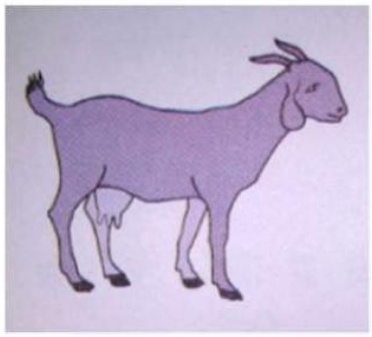

.....

.....

.....

.....

373KXK

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

पाठ 13

आई एक खबर

दिल्ली	अंदर	मच्छर	मक्खी
बंदर	आँसू	टिड्डे	समंदर

अभी खबर दिल्ली से आई,
मक्खी रानी उसको लाई।
टिड्डे ने हाथी को मारा,
हाथी क्या करता बेचारा?

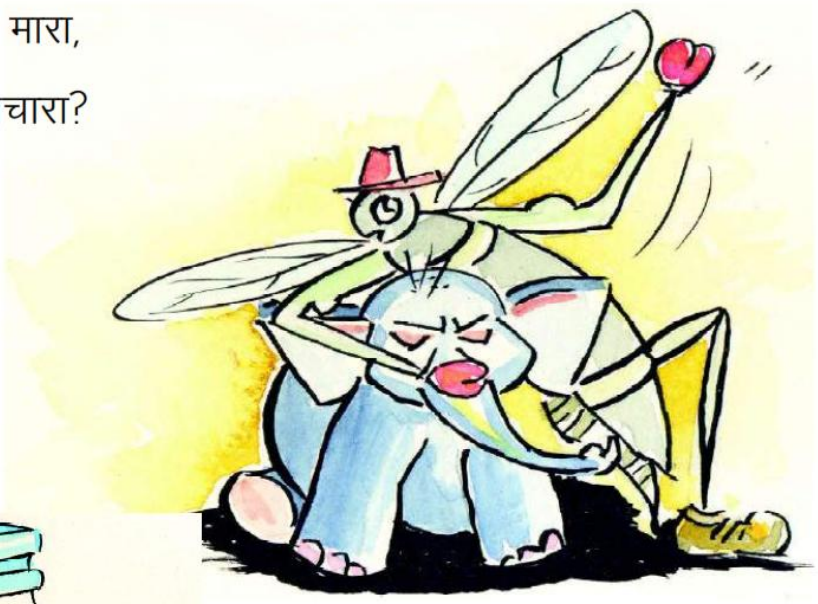

घुस बैठा मटके के अंदर,
मटके में थे ढाई बंदर।
उन्हें देखकर हाथी रोया,
रोते–रोते फिर वह सोया।

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

रुकी नहीं आँसू की धारा,
मटका बना समंदर खारा।
लगे डूबने हाथी बंदर,
फँसे हुए थे उसके अंदर।

रोना सुनकर आया मच्छर,
लात जमाई उसने कसकर।
मटका फूटा बहा समंदर,
निकल पड़े सब हाथी, बंदर।

शिक्षण संकेत :– कविता का उचित लय के साथ पाठ करें और बच्चों से दुहराने के लिए कहें। संयुक्ताक्षर वाले शब्दों का अभ्यास करवाएँ। पाठ के बाद अनुस्वार – तथा आधे 'न' (न्) को आपस में बदलकर शब्द लिखवाएँ। जैसे – 'अन्दर से अंदर'। चित्रों का उपयोग करें। पाठ में आए कठिन शब्दों के अर्थ उनकी भाषा में बताएँ।

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

शब्दार्थ

खबर = समाचार समंदर = सागर, समुद्र

ढाई = दो और आधा मिलाकर बनी संख्या

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा/बोली में बताओ –

   खबर, समंदर, ढाई, अंदर,

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो –

   क. मटका कितना बड़ा रहा होगा ?

   ख. ढाई बंदर कैसे हुए होंगे ?

   ग. मटका कैसे फूटा ?

3. वाक्यों में प्रयोग करो – मटका, बंदर

4. उदाहरण देखो। ऐसे कुछ और शब्द लिखो।

   उदाहरण– धारा चारा खारा

   अंदर ————————, ————————, ————————

   लात ————————, ————————, ————————

5. तीन अक्षर वाले शब्दों के बीच के अक्षरों को बदल–बदलकर नए–नए शब्द बनाओ और लिखो, जैसे– जमाई।

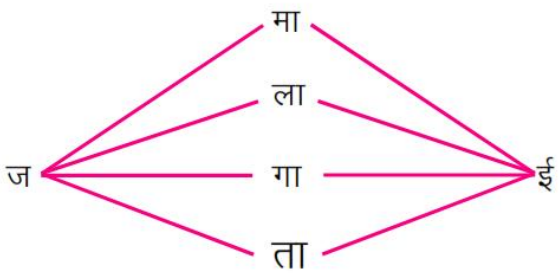

————————

————————

————————

————————

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

6. कविता में आए संयुक्ताक्षर वाले शब्दों को छाँटकर लिखो।

जैसे– मक्खी, ————————।, ————————।,

————————।, ————————।,

7. गतिविधि :–

1. बंदर से संबंधित कहानी ढूँढ़ो और कक्षा में अभिनय करो ।
2. तुम्हें खबरें कहाँ–कहाँ से मिलती हैं ।
3. अपने गाँव में हुई किसी घटना की खबर सुनाओ ।
4. शिक्षक कक्षा में "**आज की बात**" गतिविधि करवाएँ ।

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

पाठ 14

चूहे को मिली पेंसिल

पेंसिल	ढूँढ़	आखिरी	अजीब

1

एक बार एक चूहा खाने के लिए कुछ ढूँढ़ रहा था।

2

उसे एक पेंसिल मिली। चूहा पेंसिल लेकर उसे उलट–पलट कर देखने लगा।

"मुझे छोड़ दो, मुझे जाने दो" ,पेंसिल चूहे से गिड़गिड़ाकर बोली, "मैं तुम्हारे किस काम की हूँ, लकड़ी का टुकड़ा हूँ। खाने में भी अच्छी नहीं लगूँगी।"

3

"मैं तुम्हें कुतरूँगा," चूहे ने कहा।

"मुझे अपने दाँत पैने और छोटे रखने के लिए हमेशा कुछ–न–कुछ कुतरना पड़ता है।" और चूहे ने पेंसिल कुतरना शुरू कर दिया।

4

"उई! मुझे दर्द हो रहा है। तुम मुझे आखिरी चित्र बना लेने दो, फिर तुम चाहे जो करना।"

"ठीक है," चूहे ने कहा। "तुम चित्र बना लो; फिर मैं चबाकर तुम्हारे टुकड़े–टुकड़े कर दूँगा।"

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

पेंसिल ने ठंडी साँस ली। फिर उसने एक बड़ा–सा गोला बना दिया।

5

"यह क्या पनीर का टुकड़ा है?" चूहे ने पूछा।

"हाँ, हम इसे पनीर ही कहेंगे" पेंसिल ने कहा।

(6)

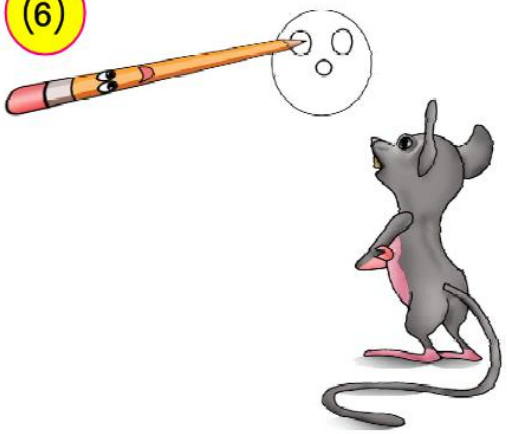

फिर पेंसिल ने बड़े गोले के अंदर तीन छोटे गोले बना दिए।

"हाँ, अब यह पनीर ही लग रहा है।" चूहे ने कहा। "इसमें तो छेद नजर आ रहे हैं।"

7

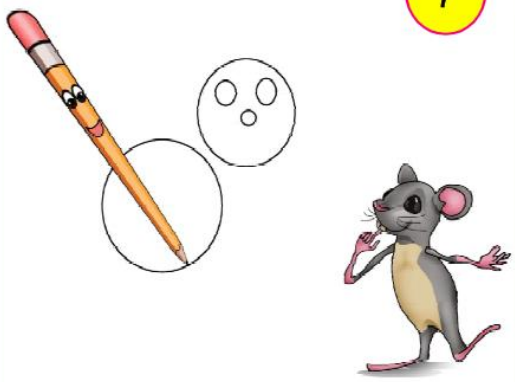

"चलो, हम इन्हें पनीर में छेद बोलेंगे।" पेंसिल ने मान लिया और उसने बड़े गोले के नीचे एक और बड़ा गोला बनाया।

"अरे, यह तो सेब है," चूहा चहका। "हाँ, इसे सेब कह लेते हैं," पेंसिल ने कहा।

8

पेंसिल फिर दूसरे बड़े गोले के पास कुछ अजीब–से चित्र बनाने लगी।

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

"अरे, वाह! अब तो मजा ही आ गया। यह तो चमचम है।"

9

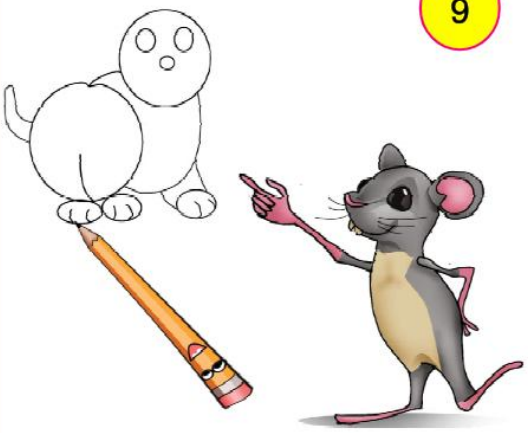

चूहे के मुँह में पानी आने लगा। "जल्दी करो! मुझे खाना है।"

पेंसिल ने ऊपरवाले गोले के ऊपर दो छोटे तिकोन बना दिए।

10

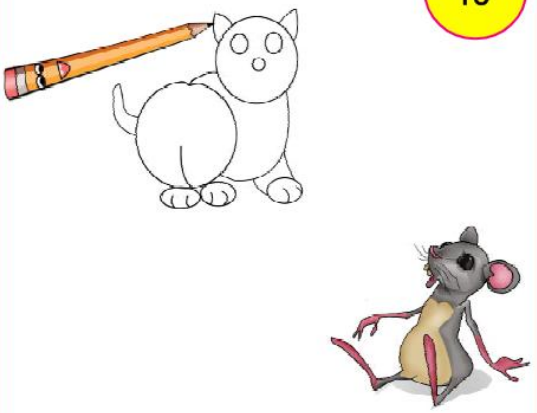

"अरे, अरे" चूहा चीखा। "अब तो तुम उसे बिल्ली की तरह बनाने लगीं। और आगे मत बनाओ।"

लेकिन पेंसिल बनाती गई। उसने ऊपर के गोले पर लम्बी–लम्बी मूँछें और मुँह बनाया।

11

चूहा डरकर चिल्लाया, "अरे, बाप रे! यह तो बिल्कुल असली बिल्ली लग रही है। बचाओ।"

ऐसा कहकर वह भागकर अपने बिल के अंदर घुस गया।

12

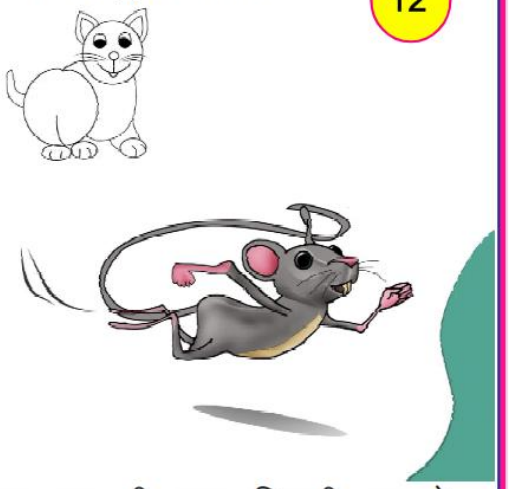

क्या तुम भी एक बिल्ली का ऐसा चित्र बना सकते हो, जिसे देखकर चूहा डर जाए?

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

शिक्षण संकेत :– चित्र–कथा को बच्चों को समूह में पढ़ने दें। बच्चों से चूहे–बिल्ली की आदतों पर चर्चा करवाएँ। मिकी माउस के बारे में बच्चों को जानकारी दें/लें, उसका चित्र प्रदर्शित करें। घरेलू, पालतू–पशुओं और जीवों के नाम लिखवाएँ। पाठ में आए कठिन शब्दों के अर्थ उनकी भाषा में बताएँ।

शब्दार्थ

गिड़गिड़ाना	=	विनती करना	तिकोन	=	तीन कोनेवाला
ठंडी साँस लेना	=	राहत पाना	भागकर	=	दौड़कर
आखिरी	=	अंतिम	पैने	=	नुकीले, धारदार
अजीब	=	विचित्र	दर्द	=	पीड़ा
कुतरना	=	दाँत से काटना			
पनीर	=	दूध फाड़कर बनाया गया एक पदार्थ			
चमचम	=	दूध या छेने से बनी मिठाई			

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ –

   कुतरना, अजीब, पैने, दर्द, पनीर

2. इन प्रश्नों के उत्तर बताओ –

   क. चूहा पेंसिल क्यों कुतरना चाहता था?

   ख. बड़ा–सा गोला चूहे को कैसा दिखाई पड़ा?

   ग. चमचम क्या होता है?

   घ. पेंसिल ने किसका चित्र बनाया?

   ङ चित्र देखकर चूहे ने क्या किया?

3. चूहे अथवा बिल्ली पर कोई कविता याद हो तो सुनाओ।

4. सही शब्द छाँटकर खाली स्थान भरो –

   (कुतरना, भागकर, चिल्लाया, आखिरी, तीन)

   क. चूहा ———————————— दूसरे बिल में घुस गया।

   ख. चूहे ने पेंसिल ———————————— शुरू कर दिया।

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

ग. पेंसिल ने कहा,– "मुझे एक ———————— चित्र बना लेने दो।"

घ. फिर पेंसिल ने बड़े गोले के अंदर ———————— छोटे गोले बना दिए।

ङ. चूहा डरकर ————————————————, "अरे बाप रे!"

5. शब्दों का खेल।

ता ज म ह ल

ऊपर दिए गए ताजमहल शब्द के वर्णों से कुछ नये शब्द बने हैं जैसे –

ताज, महल, लता, हल, ताल, मल

इसी तरह नीचे लिखे शब्द में से तुम भी कुछ शब्द बनाओं –

क म ल क क ड़ी

6. पढ़ो और समझो।

क.	बिल्ला	–	बिल्ली	चूहा	–	चुहिया
	घोड़ा	–	घोड़ी	भैंसा	–	भैंस
	बकरा	–	बकरी	गाय	–	बैल

ख.	मेरा	मेरी	मेरे
	हमारा	हमारी	हमारे
	तुम्हारा	तुम्हारी	तुम्हारे

7. रंग – बिरंगे कागज के टुकड़े करके चूहे के चित्र में चिपकाओ।

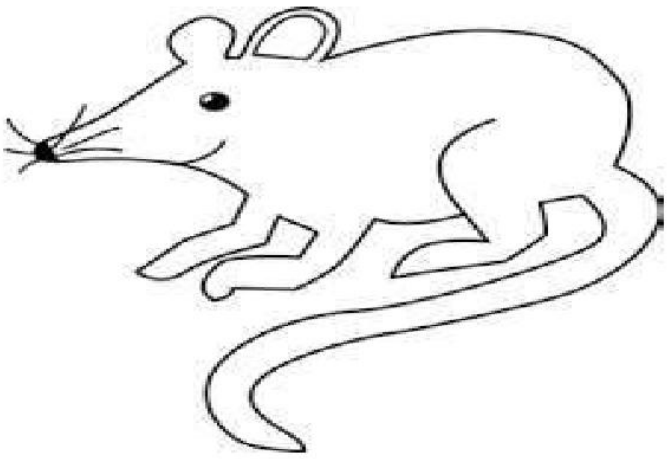

385556

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

38E16T

पाठ 15

धूप

कण	पर्वत	आँगन	पंछी	पत्ते	पंख

बीती रात हुआ उजियारा
घर–आँगन में उतरी धूप।
कण–कण में, पत्ते–पत्ते पर
हँसती–गाती बिखरी धूप।
पर्वत की चोटी पर उछली
झरनों के सँग खेली धूप।
सागर की लहरों पर नाची
सबकी बनी सहेली धूप।

पंछी के पंखों पर चमकी
फूलों पर लहराई धूप।
धरती के कोने–कोने तक
देने लगी दिखाई धूप।

शिक्षण संकेत :– शिक्षक कविता का वाचन सस्वर, उचित यति–गति, लय तथा हाव–भाव के साथ करें और बच्चों से दुहराने को कहें। सूरज के साथ प्राकृतिक दृश्यों वाले चित्र का उपयोग कर पाठ को पढ़ाएँ। कठिन शब्दों को पूछकर बच्चों से ही उनके अर्थ निकालवाने का प्रयास करें। यथा अनुसार विलोम शब्द, वाक्य प्रयोग इत्यादि द्वारा उनकी सहायता भी करें। पाठ के अनुकरण वाचन की आवृति 4–5 बार हो। शब्दों के अर्थ उनकी भाषा में बताएँ।

शब्दार्थ

बीती = समाप्त हुई। पंछी = चिड़िया। सहेली = सखी, मित्र।
पर्वत = पहाड़। कण = बहुत छोटा टुकड़ा

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ –
   पंछी, सहेली, पर्वत
2. इन प्रश्नों के उत्तर अपनी भाषा में बताओ –
   क. रात बीतने पर क्या हुआ ?
   ख. पर्वत की चोटी पर क्या उछली ?
   ग. पंछी के पंख कैसे चमके ?
   घ. कौन सबकी सहेली बन गई है ?
3. कविता की पंक्तियों को पूरा करो।
   क. बीती रात हुआ ——————————————
   ख. झरनों के संग ——————————————
   ग. —————— की लहरों पर नाची।
   घ. धरती के कोने–कोने तक ——————————
4. पाठ में आए जोड़े वाले शब्द छाँटकर लिखो, जैसे– घर–आँगन
   —————— ——————
   —————— ——————
5. उल्टे अर्थ वाले शब्दों को ध्यान से पढ़ो।

सुबह	–	शाम	उतरी	–	चढ़ी
नई	–	पुरानी	आई	–	गई
धूप	–	छाँव	हँसना	–	रोना

6. का, की, के, को मिलाकर शब्द बनाओ और पढ़ो।

	का	की	के	को
उस	उसका	उसकी	————	————
किस	————	————	————	————
सब	————	————	————	————

गतिविधि :–

1. सूरज, चिड़िया और फूल के चित्र बनाओ।
2. किसी प्राकृतिक दृश्य का चित्र बनाकर अपने पोर्टफोलियो में लगाओ।

38MW8G

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

38HSA4

पाठ 16

छोटे–छोटे कदम

कदम, खूब, सुंदर

छोटे–छोटे कदम हमारे,
आगे बढ़ते जाएँगे।
पढ़ना कभी न छोड़ेंगे हम,
हर दिन पढ़ने जाएँगे।

छोटे–छोटे हाथ हमारे,
गड्ढे खूब बनाएँगे।
इन गड्ढों में अच्छे, सुंदर,
पौधे खूब लगाएँगे।

घर–आँगन को साफ रखेंगे,
गलियाँ साफ बनाएँगे।
कैसे जीना हमें चाहिए,
जीकर हम दिखलाएँगे।

शिक्षण–संकेत – बच्चों को लय के साथ कविता पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें। वे अपनी अलग लय के साथ भी पढ़ सकते हैं। बच्चों को बताएँ कि कोई भी कार्य छोटा नहीं होता। उन्हें यह भी बताएँ कि मेहनत करने से कभी घबराना नहीं चाहिए, जो काम हाथ में लें उसे पूरा करके ही छोड़ना चाहिए। कठिन शब्दों के अर्थ उनकी भाषा में बताएँ।

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

शब्दार्थ

कदम = पग, खूब = बहुत

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ–
   कदम, आँगन, मेहनत, घबराना
2. इन प्रश्नों के उत्तर बताओ –
   क. पढ़ना क्यों जरूरी है?
   ख. पेड़–पौधों से हमें क्या लाभ हैं?
   ग. घर, सड़क, स्कूल सभी जगह सफाई क्यों जरूरी है?
   घ. कविता में किसके बारे में बात कही गई है?
3. निम्नलिखित शब्दों से एक–एक वाक्य बनाकर बोलो –
   मेहनत, फूल, गड्ढा, आँगन
4. पढ़ो, समझो और लिखो –

गली	– गलियाँ	पेड़	– पेड़ों
कली	–	बैल	–
सखी	–	घर	–
चक्की	–	दिन	–

5. अपने बारे में लिखो –

6. पढ़ो और समझो –

जाना –	मैं जाता हूँ।	तुम जाते हो।	वह जाता है।
पढ़ना –	मैं पढ़ता हूँ।	तुम पढ़ते हो।	वह पढ़ता है।
लिखना –	.....	.....	.....
हँसना –	.....	.....	.....
देखना –	.....	.....	.....

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

7. पाठ में जिन शब्दों में क, ह, ग, का उपयोग हुआ है, उन्हें लिखो– जैसे –

क – कदम, ———— ————

ह – हम, ———— ————

ग – गलियाँ, ———— ————

8. अपने स्कूल के बारे में लिखो।

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

पाठ 17

चित्रकोट जलप्रपात

मनोरम	जलप्रपात	संगीत
अस्त होना	बैठक कक्ष	आनंद

ऋचा और रजनीश छुट्टियों में बस्तर घूमने आए हैं। इनके मामा जगदलपुर में रहते हैं। मामा की बैठक कक्ष में चित्रकोट जलप्रपात का एक बहुत बड़ा चित्र टँगा था। रजनीश ने मामा से पूछा, "मामा जी! प्रपात का यह चित्र कहाँ का है?"

मामा ने कहा – "अरे! यह चित्र तो बस्तर के ही जलप्रपात का है। हम तुम्हें कल यह प्रपात दिखाने ले चलेंगे।"

दूसरे दिन मामा किराए की जीप लेकर आ गए। सभी लोग तैयार होकर बैठे थे। जल्दी ही सब जीप में सवार हो गए। चित्रकोट जगदलपुर से लगभग 40 किलोमीटर दूर है। जीप 1 घंटे में चित्रकोट पहुँच गई। जलप्रपात अब उनके सामने था।

लगभग 30 मीटर (100 फीट) की ऊँचाई से इन्द्रावती नदी यहाँ गिरती है। जलधारा यहाँ दूध की तरह दिखाई दे रही थी। नीचे जहाँ धारा गिर रही थी, वहाँ से धुआँ–सा उठता दिखाई दे रहा था। पानी के गिरने से जो शोर हो रहा था, वह संगीत का आनंद दे रहा था। हवा के कारण जल की नन्ही–नन्ही बूँदें बड़ा आनंद दे रहीं थीं।

अब मामा के साथ सब लोग नीचे की तरफ आ गए। यहाँ से जलप्रपात और भी मनोरम लग रहा था। सभी लोग जाकर एक चट्टान पर बैठ गए। सबने वहीं बैठकर खाना खाया। वे सब वहीं बैठे–बैठे प्रपात का आनंद लेते रहे।

सूर्य अब अस्त होने ही वाला था। मामा ने कहा, "यहाँ से हटने का जी तो किसी का नहीं है, पर अब हमें चलना चाहिए। मामा की आज्ञा थी।

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

चित्रकोट जलप्रपात

सबने चलते–चलते प्रपात को फिर देखा। अब वे सब जीप की ओर बढ़ रहे थे। चित्रकोट का दृश्य वे सब कभी न भूल पाए।

शिक्षण संकेत :– चित्रकोट के जलप्रपात का चित्र प्रदर्शित करें। बच्चों से चित्र के संबंध में प्रश्न पूछें। पानी की बूँदें कैसी दिखाई दे रही थीं। पानी की धारा कैसी ध्वनि कर रही थी। चर्चा करें। पाठ पढ़ने के लिए हर विद्यार्थी को अवसर दिया जाए। पाठ में आए कठिन शब्दों को उनकी भाषा में बताएँ।

शब्दार्थ

जलप्रपात	=	चट्टानों को ऊपर से नीचे काटते हुए गिरता हुआ पानी			
मनोरम	=	मन को अच्छा लगने वाला			
संगीत	=	गाना	चट्टान	=	बड़े–बड़े पत्थर
अस्त होना	=	छिप जाना	दृश्य	=	जो दिखाई पड़ता है।
आनंद	=	खुशी	आज्ञा	=	आदेश

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ –

   मनोरम, जलप्रपात, अस्त होना, आनंद, संगीत

2. इन प्रश्नों के उत्तर दो –

   क. चित्रकोट जलप्रपात जगदलपुर से कितनी दूर है ?

   ख. चित्रकोट किस नदी का जलप्रपात है ?

   ग. तुम्हारे मामा कहाँ रहते हैं ?

3. पढ़ना, लिखना, शीतल, बस–स्टैंड, धारा का प्रयोग करते हुए एक–एक वाक्य बोलो।

4. सही शब्द चुनकर खाली जगह में लिखो –

   (अस्त, जलप्रपात, आनंद, मनोरम दृश्य)

   क. चित्रकोट का ———————— उनकी आँखों के आगे था।

   ख. वहीं बैठे–बैठे वे प्रपात का ———————— ले रहे थे।

   ग. सूर्य अब ———————— होने ही वाला था।

   घ. यह ———————— का चित्र कहाँ का है?

5. पढ़ो और समझकर लिखो।

मेरा	–	मेरे	स्थान	–	स्थानों
हमारा	–	———	मकान	–	———
तुम्हारा	–	———	दुकान	–	———
उसका	–	———	पहाड़	–	———
किसका	–	———	सड़क	–	———

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

6. सोचो, समझो और लिखो।

	मैं	हम	तुम	वह	वे
खाना	खाता हूँ।	खाते हैं।	खाते हो।	खाता है।	खाते हैं।
गाना	------	------	------	------	------
खेलना	------	------	------	------	------
दौड़ना	------	------	------	------	------

7. इन शब्दों के उल्टे अर्थ वाले शब्दों को लिखो –

जल्दी – दिन –

ऊँचा – जागा –

नीचे – प्रश्न –

गिरना – आना –

हाँ –

8. गतिविधि :–

'मामा'' शब्द को उल्टा लिखने पर 'मामा' ही बनता है। ऐसे ही दूसरे शब्द बनाओ।

9. क्या तुमने कभी कोई नदी, झरना या जलप्रपात देखा है? उसके बारे में लिखो।

39PFF2

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

पाठ 18

क्या है उसका नाम ?

पक्षी,	अक्षर,	तड़के,	कलगी,	मानुष,	पूँछ

1. बड़े सवेरे घर की छत पर, मिलता गाँव–गाँव।
   काले रंग का पक्षी होता, करता काँव–काँव।।
   बोलो क्या है उसका नाम ——— ?

2. चाँदी जैसी खूब चमकती, घर है उसका पानी।
   तीन अक्षर का नाम निराला, है वह जल की रानी।।
   बोलो क्या है उसका नाम ——— ?

3. कुकड़ूँ–कूँ बोला करता है, रोज सवेरे तड़के।
   सिर पर लाल–लाल कलगी है, चलता खूब अकड़ के।।
   बोलो क्या है उसका नाम ——— ?

4. जंगल का राजा कहलाता, खाकर माँस गरजता।
   उसे देखकर सब छिप जाते, पत्ता नहीं खड़कता।।
   बोलो क्या है उसका नाम ——— ?

शिक्षण संकेत – इस पाठ में पहेलियाँ पूछी गई हैं। पहेलियों से बच्चे परिचित हैं। हर पहेली को बच्चों से पढ़वाएँ। उत्तर के लिए संकेत दें और पहेली का हल पाठ्यपुस्तक में दिए गए स्थान पर पेंसिल से लिखवाएँ। कुछ अन्य पहेलियाँ पूछने के लिए बच्चों को प्रोत्साहित करें। कक्षा में दो दल बनाकर बच्चों से परस्पर पहेलियाँ पूछने को कहें। बच्चों को पहेली का भाव समझाएँ। पाठ में आए कठिन शब्दों के अर्थ उनकी भाषा में बताएँ।

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

5. पेड़ों पर वह उछले–कूदे, झुंड बनाकर रहता।
मानुष जैसी काया उसकी, पूँछ झुलाता रहता।।
बोलो क्या है उसका नाम ——— ?

6. रंग–बिरंगे पंखोंवाली, फूलों पर मँडराती।
हाथ बढ़ाओ तो उड़ जाती, हाथ नहीं वह आती।।
बोलो क्या है उसका नाम ——— ?

7. नदी किनारे बैठा रहता, मछली खाना काम।
लंबी टाँगें, लंबी गर्दन, बोलो जी क्या नाम ?
बोलो क्या है उसका नाम ——— ?

शब्दार्थ

पक्षी	=	चिड़िया	अकड़ना	=	ऐंठना
मानुष	=	मनुष्य, आदमी	काया	=	शरीर
निराला	=	अनोखा	हाथ आना	=	प्राप्त होना
कलगी	=	मुर्गे की चोटी	पत्ता नहीं खड़कना	=	पूर्ण शांति होना
खड़कना	=	खड़–खड़ की आवाज होना			

शब्दार्थ

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ –

पक्षी, अक्षर, तड़के, कलगी, मानुष, पूँछ

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

2. रेखा खींचकर सही जोड़ी बनाओ।

काँव–काँव	–	बंदर
कुहू–कुहू	–	मुर्गा
खों–खों	–	कौआ
टें–टें	–	कोयल
कुकडूँ–कूँ	–	तोता

3. एक–एक शब्द में उत्तर लिखो – उत्तर

क. लाल कलगी किसके सिर पर होती है ? .....

ख. फूलों पर कौन मँडराता है ? .....

ग. कौन जंगल का राजा कहलाता है ? .....

घ. जल की रानी किसे कहते हैं ? .....

ड. पेड़ों पर उछल–कूद कौन करता है ? .....

4. समान तुक वाले शब्द लिखो।

जैसे– पाला – माला – ताला – नाला

ऐसी – ————, ————, ————

आता – ————, ————, ————

राजा – ————, ————, ————

खाना – ————, ————, ————

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

5. गतिविधि :–

दिए गए पशु–पक्षियों के बोलने का अभिनय करो–

क. कौआ – ख. कोयल –

ग. गाय – घ. गधा –

ड. शेर – च. मेंढक –

6. चित्र बनाओ।

तितली, मछली

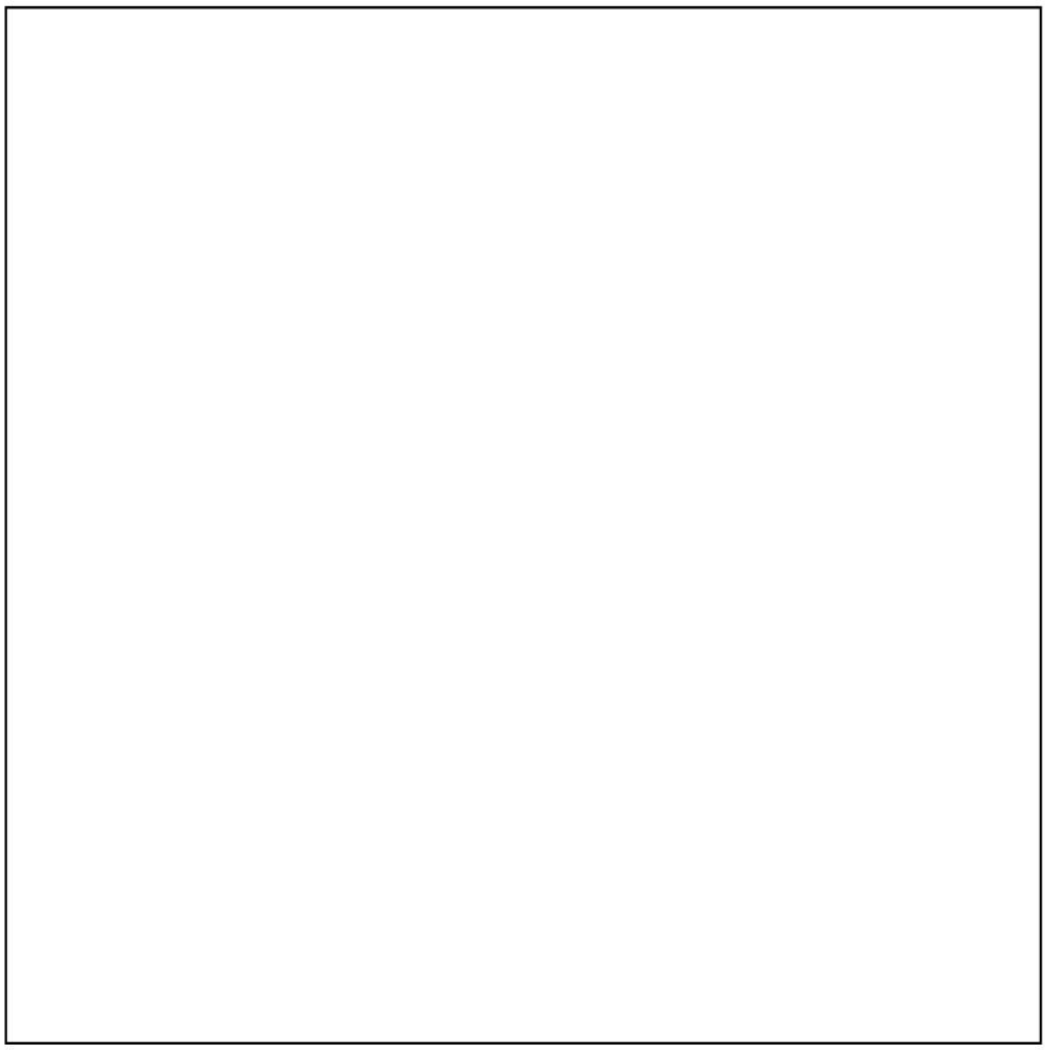

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

7. शाला के आसपास आपको कौन – कौन से जानवर या पक्षी दिखाई देते हैं – लिखो।

पक्षी ....

जानवर ....

8. परिवेशीय पहेलियाँ बच्चों से बुलवाएँ –

कम से कम दो पहेलियाँ बच्चे घर से पूछकर आएँ।

9. विभिन्न पत्र – पत्रिकाओं से पक्षियों और जानवरों के चित्र खोजकर उन्हें अपनी कापी में चिपकाओ और उनके नाम लिखो ।

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

3I7YCH

पाठ 19

साहसी बनो

प्रसिद्ध, दृश्य, हिम्मत, व्यक्ति

गंगा नदी के किनारे एक प्रसिद्ध शहर है बनारस। बात काफी पुरानी है। उन दिनों बनारस में गंगा के घाट पर बहुत अधिक बंदर हो गए थे। वे इतने निडर थे कि लोगों के हाथ से सामान छीन लेते थे। खाने का सामान तो वे छोड़ते ही नहीं थे।

एक दिन की बात है। नरेन्द्र नाम का एक लड़का बाजार से वापस आ रहा था। उसने कंधे पर एक झोला लटका रखा था। नरेन्द्र थोड़ी दूर ही गया होगा कि एक बंदर उसके पीछे लग गया। बंदर को पीछे आते देख नरेन्द्र ने अपनी चाल बढ़ा दी। बंदर भी तेज चलने लगा।

बंदर को करीब आते देख नरेन्द्र भागने लगा। इस सारे दृश्य को एक सज्जन देख रहे थे। उन्होंने नरेन्द्र को भागने से रोका और कहा– "भागते क्यों हो?"

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

नरेन्द्र बोला– "क्या करूँ, बंदर पीछे पड़ा है।" उस व्यक्ति ने कहा– "डरकर भागो मत। तुम डर रहे हो इसलिए वह डरा रहा है। रुको, खड़े होकर हिम्मत से उसका मुकाबला करो।"

नरेन्द्र ने हिम्मत दिखाई। वह खड़ा हो गया। उसके खड़े होते ही बंदर भी खड़ा हो गया। नरेन्द्र ने अपना झोला उठाया और मारने दौड़ा। नरेन्द्र को अपनी ओर आता देखकर बंदर भाग गया। बालक को साहस की यह नई सीख मिली। वही बालक नरेन्द्र आगे चलकर दुनिया में स्वामी विवेकानंद के नाम से प्रसिद्ध हुआ।

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

शिक्षण संकेत – स्वामी विवेकानंदजी का चित्र कक्षा में दिखाएँ। उनके विषय में संक्षेप में बताएँ। बच्चों को बताएँ कि एक बार अमेरिका में संसार के धर्मों के संदर्भ में एक बहुत बड़ी सभा हुई उसमें स्वामी जी ने जो भाषण दिया उसे दुनियाभर के लोगों ने सराहा। साहस और दुस्साहस में अंतर उदाहरण देते हुए समझाएँ।

शब्दार्थ

प्रसिद्ध	=	मशहूर	सज्जन	=	अच्छा आदमी
हिम्मत	=	साहस	साहसी	=	निडर होने का गुण
मुकाबला	=	सामना करना			

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपनी भाषा में बताओ –

क. बनारस का दूसरा नाम क्या है ?

ख. स्वामी विवेकानंद के बचपन का नाम क्या था ?

ग. नरेन्द्र क्यों दौड़ रहा था ?

घ. अगर बालक बंदरों से डरकर भागता रहता तो क्या होता ?

ड. अगर कुत्ता तुम्हारे पीछे दौड़े तो तुम क्या करोगे ?

च. स्वामी विवेकानंद भारत के महान पुरुष थे। अपने प्रदेश के किसी एक महापुरुष का नाम बताओ।

2. नीचे अधूरे शब्द दिए गए हैं। ढ़, ड़ लिखकर शब्द पूरे करो–

1. च.....	2. प.....	3. ब.....
4. च.....ना	5. प.....ना	6. ब.....ना
7. दौ.....ना	8. ल.....का	9. पक.....ना

3. नीचे लिखे कथन तुम्हारे अनुसार सही हैं या गलत। लिखो।

क. बाजार में नरेन्द्र बंदर के पीछे लग गया। (————)

ख. बंदर नरेन्द्र का झोला लेकर भाग गया। (————)

ग. बंदर नरेन्द्र से डरकर भाग गया। (————)

4. आओ शब्दों की अंताक्षरी बनाएँ –

3IGUE5

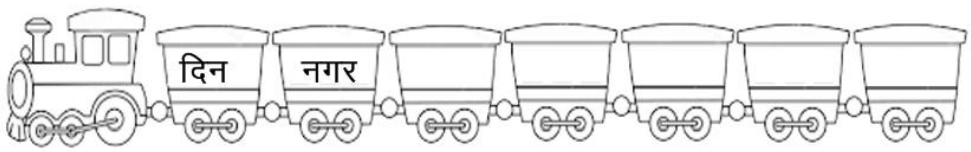

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

परिशिष्ट

विभिन्न भाषाओं की शब्दावली

हिन्दी	छत्तीसगढ़ी	गोंडी (दंतेवाड़ा)	हल्बी	गोंडी (कांकेर)	सरगुजिहा	कुँडुख
पाठ–2 गुड़िया रानी की शादी						
सहेलियाँ						
मित्रता	मिताई	संगवारि	मित	गोत	संगता	संगवारी
गुड़िया	पुतरी	नुनी	पुतरी	पुतरी(खिलौना)	पुतरी	पुतली
गुड्डा	पुतरा	पुतरा	पुतरा	पुतरा	पुतरा	पुतला
बगीचा	बगाइचा	–	बाड़ी	बनबाड़	फुलवारी	बगीचा
पास–पास	तीर–तीर	–	लगे–लगे	हेरे–फेरे	लिघे–लिघे	हेद्दे–हेद्दे
तय करना	तय करना	–	सोर–होलोर	कूर–कियना	निठुर	तय नन्ना
शादी	बीहाव	–	विया	मरमिंग	बियाह	बेंजा
जुट जाना	जुटना	लगेम आयनाद	भिड़ना	–	जुटना	लगना
माँ	दाई	–	टोपा	लगे–मायना	दाई	अयंग
मदद माँगी	मदत माँगना	सहायता तलकानाद	सायता मांगली	संगतलिक्त (स्त्री)	मदेत मांगीस	सहाड़ा–नेया
निमंत्रण	मदत माँगिस	करगंनाद	नेवता	केयना कबीर	नेवता	नेवता
फूल	फूल	फूंगार	फूल	मुगार	फूल	पूंप
माला	माला	नेरेक	माला	नेर्क	माला	माला
भैया	भइया	दादा	दादा	दादा	ददा	कोहां दादा
मिठाई	मिठाई	मिटेय	मिठई	सरबोन	मिठई	मिठाई
घर	घर	लोन	लोन	लोन	घर	एड़पा
पंडित	महराज	–	वामन	–	पंडित	बैगा
ढोलक	ढोलकी	–	ढोल	–	ढोलकी	ढुलकी
बधाई गाना	बधई गाना	–	–	–	बधाई गाना	बेंजा डण्डी
पाठ–3 कौन बोला म्याऊँ						
पिल्ला	कुकुर के पिला	पुसाल पिल्ला	कुकुर पिला	पीला	छउवा	अल्ला खद्दो
उठ बैठा	उठ के बइठगे	तेदी उद्ता	उठुन बसलो	तेद्स् उदीतूर	उइठ बइठिस	चोचा ती उकिया
झाड़ी	झाड़ी (झाड़ी–झखरी)	झिपते	लाटा	टुट्टा	झुरमुट	खोप्पा
खाट	खटिया	कटूल	खटेया	कट्टुल	खाटी	खटी
इधर, उधर	एती–ओती /एती–उती	इके–आके	ए बाट–हुन बाट	हिक्के–होक्के	इते उते	अतरा–इतरा
चूहा	मुसवा	उप्पे	मुसा	हुप्पे, उप्पे	मुसटा	ओसगा
सोना	सुमना/सुतई	गुड़तेनद	सोवतोर	हुंजना	सुतना	खंदरना
देखना	देखई/देखना	उड़नेद	दखतोर	हूड़ना	देखेक	ऐरना
कूदना	कुदई/कूदना	लंगनेद	कुदतोर	डेवना	कूदिस	डेगना
सो रहा था	सुते रहिसे /रहीसे	गुड़सो मतोर	सोवते रए /सोवते रलो	हुंचोर मंदूर	सुतत रहिस लगिया	खंदरःआ

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

देखा	देखिस	उड़तान	दखलो	हूड़तान	देखिस	इरिया
कूदकर	कूदके	लंगीमेंज	कुदुन	डेवस्	कूइद के	डेगअःरकी
आवाज	अवाज	लेंग	गरजन	लेंग	अखोर	सड़ा/सड़ह
कोई नहीं	को नो नहीं	बेनो इले	कोनि नाईं	बोरे हिलेर	कोनो निये	ने हूं–मला
सामने आना	आघू आना	मुन्नेवर	पुरे एतोर	मुन्ने वायना	आगू आ	मुन्धवारे बरना
उठ बैठना	तेदी उदना	उठुनबसतोर	तेद्स उद्ना	तेद्स उदना	उठ बैठिस	चोअना ती ओकना
घर	घर	लोन	घर	लोन	घर	एड़पा
सामने आया	आघू अइस	मुनेवत्तोर	पुरे इलो	मुन्ने वातूर	आगू आइस	मुंधवारे बरचा
पूछना	पुछई/पूछना	पूछीकियना	पुछतोर	पूचेमायना	पूछ न	मेन्ना
पूछा	पूछिस	पूछीकितीन	पुछलो	पूचे मातूर	पूछिस	मेंजस
बोलना	बोलना/बोलई	केत्ना	बलतोर	इंदना	गुठियाना	बअःना
बोलता हूँ	बोलत हौं/हँव	केतितान	बलु आँय	इंतोना	गुठियाथों	बअःदन
मेमना	छेरी पिला	मेमना	छेरि पिला, मेण्डि पिला	चितरलपैया	पठरू	पठरू
फूल	फूल	पूंगार	फुल	पुंगाई	फूल	पूंप
पौधा	राई	करें	बुटा	पोदेला	पउधा	खोप्पा
पौधे	राईमन	पोदला	बुटा मन	पोदेलंग	पउधा मन	खोपद
पहुँचना	पहुँचना /हबरना	एवद्ना	अमरतोर	अव्ना	लमरना	अंडसना
पहुँचा	पहुँचगे/हबरगे	एवतोर	अमरलो	अवतूर (पु.)	पहुचिस	अंड़सिया
मधुमक्खी	भँवर मछेर	उरवे	ओण्डार माछि	पूकवीस	रस माई	तीनी, भौंरो
बैठना	बइठना	उदना	बसतोर	उद्ना	बइठबे	ओक्कना
बैठी थी	बइठे रहिस	उदीमता	बसुन रए /बसुन रली	उद्समत्ता	बइठे रहिस	उक्कीचा
तालाब	तरिया	कूट्ठा	तरइ	तड़य	तलवा	पोखरा
किनारे	तीर	उदूल	कठा, रेठे	ओदा	धरी	धरी नू
मेंढक	मेचका	पंडे	मेण्डका	पन्ने	बेंगचा	मूंख़ा
चूजा	चियाँ/ चिरई पिला	चूजा	चियाँ	पीसे	चियां	चिंया
बछड़ा	बछरू	पिल्ला	बाछा	कोंदापैया	बछरू	बछिरा
छौना	जिनावर के पिला	छौना	चितर पिला	बेड़पीला	छानी	चितरा खद्द
कुत्ता	कुकुर	नय	कुकुर	नय	कुकुर	अल्ला

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

मुर्गी	कुकरी	कोर्र	कुकड़ी	तलुर कोर्र	मुरगी	खेर
भेड़	भेंड़ी	मेंडा	मेण्डि	बेड़	भेड़ी	भेण्डो
गाय	गाय	गोड	गाय	टाली	गरू	गाय
हिरन	हिरना / हइना	लूप	चितर	चितरल	हरिन	चितरा
			पाठ–5 चालाक चीकू			
चार	चारों कोती / चारों डहर	नालू	चार	नालुंग	चायर	नाख
बिल्ली	बिलइ	पुसाल	बिलइ	बिल्लय	बिलाई	बेरख़ा
बिल्लियाँ	बिलइमन	पुसाली	बिलइ मन	बिलईंग	बिलाई मन	ढेर बग्गे बेरख़ा
मिलकर पकड़ना	मिलके धरना, धरइ	कालसमेंज पोयतना	मिसुन धरतोर	मीलेमास पैयना	जुटके धरना	जुमररकी धरना
पकड़ा	धरिस	पोयतोर	धरला	पयतूर	धरिस	धरचा
खाना	जेंवन	डोडा	खातोर	तिंदना	जेवन	मोख़ना
खाऊँगी	खाहूँ	तिन्तान	खायन्दे	तिंद्का	खाहू	मोख़ोन
सभी	सबे,सब्बो,जम्मो	जमाय	सपाय, जमाय	सप्पय	सबझन	ओरमर
झगड़ा	झगरा	मुंडाड	झगड़ा	वहच्ना	झगरा	अरबानखरना
मौसी	मोसी	कुची	मावसी,नानी आया	कूच यायाल	मोसी	मुसी
मौसियाँ	मोसीमन	जमाय कुची	मावसी मन, नानी आया मन	कूच यायाह	मोसी मन	मूसीबगर
आपस में	एक दूसर ले / आपसी म	झपसते	एक–दुसर संगे	एर–ओर	अपन मे	तंगआ मझिनू
नीम का पेड़	नीम के रुख	नीम था मराम	लीम रुख	कैयले लीम	लीम कर रूख	नीम ही मन्न
खड़ा है	खड़े हे / ठाढ़े हे	नित्ता	उबा आसे	नित्तीतोर	ठढ़ोइस हे	इज्जकीरःई
छूना	छूना / छुवइ	केटा	छिया	इट्टाना	छूइस	ऐसेरना
छूकर	छूके	केटीमेंज	छिउन	इट्स	छूइ कर	ऐसेरअरकी
जाना	जवइ	अन	जाहा	दायना	गइस	काना
जाकर	जाके	अनजमेंज	जाउन	हंज	जाएके	कालरकी
उसको	ओला / वोला	ओन	हुनके	ओन	ओला	आदिन
हिस्सा	हिस्सा / बाँटा	भागा	भाग	बाटा, वाचा	बांटा	बटा
बाँटना	बँटइ	तुसना	बाटतोर	तूसना	खेजा	खट्टना
बाँटे	बाँटिस(एकवचन) बाँटिन(बहुवचन)	तूसतोर	बाटला	तूसीट	बॉटिस	खट्टियर
मूर्ख	मुरूख	मूर्ख	भकवा, मुरुख	होगंटाहल	बोया	बोका
समझ	समँझ	लेजा	समंज	पुंज	बुझ	बूझ
समझना	समझथँव	समझेमयना	समजा	पुंदाना	समझाइस	बुझूरना
सरपट	पल्ला	सरपठ	सरलगा	सर्रपड़	सरसराय के	चांढ़हे
दौड़	दउँड़	मिरना	परातोर	वित्तना	दउड़	बोंग्गना

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

बिल	बिला	बोहका	बिल	बूका	बिला	लाता
अंदर	भितरी	लोपा	भितरे	लोप्पा	भितर	भितरे
भागना	भगइ	मिरना	परातोर	वित्ताना	भाग	बोंग्गन
भागा	भागिस	मिरतोर	परालो	वित्तीतूर	भागिस	कोरच
अपनी	अपन	तनवा	आपन चो	आपुना	मोर	तग्है
अपना	अपन	तनवा	आपन चो	आपुना	मोर	तंगआ
जान	जीव	जीवा	जीव	जीवा	जीव	जिया
जान बचाना	जीव बचइ	जीवा बचाकिना	जीव बचातोर	जीवा पिसह्ना	जीव बचाइस	जिया बछाबअःना
जान बचाई	जीव बचइस	जीवा बचाकिता	जीव बचालो	जीवा पिसीह्त	जीव बचाइस	जियान बछाबचास
			पाठ–6 चींटी और हाथी			
रानी	रानी	श्रानी	रानी	रानी	रानी	रानी
चींटी	चाँटी	पेत्तें/गोड़ो	चाटि	होर्र	चांटी	पोक
भोजन	जेवन	तिन्देनद	खाद–कोण्डा	गाटों	जेवन	मण्डी
तलाश	खोज	मेहकना	डगर	पड़कना	ढुंढे	बेद्दना
रोज	रोज	दिनाल	रोजे	रोज्जे	रोयज	उरमी, उल्ला
जंगल	बन	गुपा	रान	कोट्टुम	पहार	टोड़ंग
सभी	सबो	जमाय	सपाय, जमाय	सपाय	सबला	ओरमर
हाथी	हाँथी	एन	हाति	हत्ती, एनी	हाथी	हथी
दिनभर	दिनभर	पयालपोड़द	दिन भर,	मुल्लनह,	दिनभेर	उल्ला भइर
घूमना	घुमई किंदरई, गिंजरई	तिरयना	बुलतोर	वलिय्ना	किंदरना	कूद्दना
तोड़ना	टोरइ	देहतना	टुटातोर	देहना, ओह्ना	टोरना	एस्सना
तोड़ता	टोरत	देहतिता	टुटाए	दोह्च	टोरना	इसई
फेंकना	फेंकई	एसना	पकातोर,	वाटना फिङ्गतोर	सरकना	हेबेड़ना
फेंक देता	फेंक देवय	एसीता	पकाउन/हिबड़ी	वाट्समनेना फिङगुन देये	झटक देहीस,	हिबड़ी
लंबी	लम्हरी	लट्ट	लाम	लाट	लमा	दीगहा
सूँड़	सोंड़	सूंड	चोण्डा	होण्ड	सूड	सोंड़हे
भरना भरता	भरना/भरइ भरय	निहतना निहतिता	भरतोर भरे	निह्ना निहेना	हिंचना भरेल	निंदना निदंई
नहाना	नहइ	एरमियना	नाहातोर	मिय्ना	असनान	एमना
नहाता	नहावय	एरमिता	नाहाए	मियेना	असनानीस	इमईः
जानवर	जिनावर	जानवर	पसु, जियाद	काजेर	जनावर	जऊन्त
जानवरों	ढोर	माल–माता जियाद मन	पसु मन,	काजेर्क	जनावर मन	जऊन्त गने
धक्का–	धक्का–मुक्की	धक्का–मुक्की	ठेगला–मसका	दकंग–दुमड़िंम	हेला हेली	तुकुर मुक्की नखरना

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

मसलना	रउँदना	रगड़ाकिना	रमंदतोर	पिस्कना	रमूंदना	गिमचःअना
मसलदेता	रउँद देवय	रगड़ाकिता	रमदुन देये	पिस्केना	रंमूद देहिस	गिमचीःई
डरना	डेर्राना,डेरइ	वेरतना	डरतोर	वर्रियना	डरना	एलचना
डरता था	डेर्रावयय	वरसमथा	डरे	वर्रियदान	डरत रहिस	एलचा लगिया
तंग	परेसान, परसान	तंग	लाग, अस्कट	पिसकाट	उदबास	डाह
एक दिन	एक दिन	ओंड दिना	गोटक दिने	उंददिया	एक रोज	ओंदउल्ला
बात	गोंठ	भाता	गोठ	पल्लो	गोयठ	कत्था
मिलना	मिलइ	दोरकना	भेटतोर	मीलेमायना	भेटाना	भेंटारना
मिली	मिलिस	दोरककता	भेटली	पुट्त	भेटाइस	भेटारा
सताना	परसान करना	सताकियना	लागतोर	डंड कियना	डाहना	डाहना
सताते हो	परसान करथस	सताकितिन	लागु आस	डंड कियातोन	डाहथस	डाहदी
ठीक	सहीं	नला	नंगत, निको	सत्तेय, बेस	सही	बेस
चुपके से	चुपे चाप	कोटो	ओगाय	कमेक	कलेकस	कले–कले
छोटा	नानकुन	छुडला	नानी	हुडिलोर	नान	सन्नी
छोटी	नानकिन	छुडला	नानी	हुडिला	नान	सन्नी
जान	जीव	जीवा	जीव	जीवा	जीव	जिया
बित्ता भर	बीता भर	बित्तामेंड	भिताएक	बित्तामेंड	नानकुन	बिताभइर
जुबान	जीभ	माटा	टोण्ड	लेंग	जीभ	बई
मर्जी	मरजी	मर्जी	मन	बिच्चर	मन	मरजी
शेर	सेर	डुवाल	बाग	नीराल	बघवा	लकड़ा
हँसना	हँसई	कवदना	हाँसतोर	कवना	हंसी	अलखना
हँसकर	हाँस के	कवसमेंज	हाँसुन	कवस	हंयेस के	अलखरकी
अक्ल	अक्कल	बुद्ध	बुद	गोक	अकील	लूर
दम पर	बल म	दमते	बल ने	लाव दे	असान ले	संवागती
मुखिया	सियान	मुखिया	मुखया	मूड़िया	घर गोसिंया	उरबस
घास	काँदी	रोंडा	रोण्डा	रौंडा	बन	घांसी
छिपना	लुकइ	मिंजना	लुकतोर	मक्काना	लुकना	नुखुरना
छिप गई	लुकागे	मिंजता	लुकली	मक्त	लुकाह गइस	नुख़रा
चुपके से	चुपेचाप	आयोने	खुसखुसा	कुस–कुसा	कलेकस	कले कले
घुसना	खुसरगे	नेगना	ओलतोर	होड़ियना	ढुंकिस	कोरना
घुस गई	घुसरगे	नेगता	ओलली	होड़ियत	ढुंक गईस	कोरचा
अंदर	भितरी	लोपा	भितरे	लोप्पा	भीतरे	भितरे
काटना	चाबना	कचना	चाबतोर	कदना	काटिस	परमना

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

परेशान	परेसान	परेशान	बिरबिरा, हरयान	पिसकाट, कंजहाट	उदबास	ससईत
पटकना	पटकइ	पटकाकिना	अपटतोर, कचाड़तोर	हुक्काना	पटकिस	पखड़अःना
पटकी	पटकिस	पटकाकिता	अपटलो,	हुक्त	पटकिस	पखड़अःचा
			कचाड़लो(पुल्लिङ्ग क्रिया, (स्त्री) कहानी के अनुसार)			
फूँक	फूँक	डदना	फुक	ऊह्का	फूंक	ऊरना
जुगत	जोखा	जुगत	जुगाड़, उआट	तरीका, उपय	जुगाड़	उपाय
चीख	चिचियई	तुमना	किरकिरइ	किर्री	गोहार	चिचियारना
रोना	रोवइ	केयना	गागतोर	किल्लाना	रोआसी	चींखना
रोते हो	रोवत हस	केयितिन	गागु आस	किलायतोन	रोवत रहिस	चींखदय
माफ करो	माफी दे	माफकिम	माफी देस, खेमा कर	माप कीम, कसूर माप	छमा करा	माफनना/ढ़प्पी
सताना	पदरिया के	सताकिना	लागतोर	डंड कियना	डहेल	डाहना
सताऊँगा	परसान करहूँ	सताकितान्	लागेन्दे	डंड कियका	डहथे	डाहओन
मानना	मनइ	मानेमायना	मानतोर	माने मायना	मानीस	मेन्ना
दादा	बबा	दादी	दादा, गुंडा	दादाल	बाबा	अज्जो
जमाना	कप्पी	जमाना/रोत्	समया	जुग	जबाना	परिया
बदलना	बदलइ	बदलाकिना	बदलतोर, पलटतोर	बदले मायना	बदलिस	बदलाअरना
बदल गया	बदल गे	बदलेमता	बदलली,पलटली	बदले मात	बदल गईस	बदलारा
हामी भरना	हुँका पारना	–	होय बलतोर	डोंग हायना	राजी भरिस	हॉ बअना
हामी भरी	हुँकारू पारिस	हो इंदना	होय बललो	डोंगहात	राजी भरिस	हॉ बाचा
पाठ–7 एकता का बल						
पीपल	पीपर	आली	पीकड़	आल	पिपर	पकरी
कबूतर	परेवा	बोडे	परेवाँ/परेयाँ	पारेवा	परेवां	पेरंवा
खोजना	खोजइ	मेहकना	डगरातोर, खोजतोर	पड़क्ना	खोजबे	बेद्दना
खोज	खोज	मेहका	डगर	पड़क्स	खोज	बेद्दना
लौटना	लहुटइ	वायना	फिरतोर, बोहड़तोर	मलाना	फिरना	किर्रना
लौट आते	लहुट आवै	मलसक्ता	फिरोत, बोहड़ोत	मल्सवायेर	फिर आईस	किर्रीबरई
उड़ने पर	उड़े के बेर	तेड़ीमेंज	उड़ले	परियेतेक	उइड के	उड़ियारआरबी
दाना	दाना	दाना	दाना	पड़ेम	अन्न	चरा
बिखरना	बगरना	अलना	बिखरी होतोर	लीकाना	बगरना	बींड़ना

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

बिखरा	बगरे	अलता	बिखरलोर	लीकीआत	बगरी	बिड़िरका
बूढ़ा	सियान	मूयतोर	डोकरा	मुदियाल	सियान	पचगी
ठहरना	राहवन–राहव	केपी	थेबतोर	रोमना	रूकबे	इज्जना
ठहरो–ठहरो	रहा–रहा	–	थेबा	रोमा–रोमा	रूक	इजआ
चुगना	चुगना	–	चरतोर	पेहकना	चुगना	मोखना
चुगने लगे	चुगे लागिस	चरुक धरला	चरुक मुरयाला	पेहकंदूर	चुगे लागिन	मोखा हेल्लरर
पेट	पेट	पोट्टा	पेट	पोटा	ढ़ाढ	कूल
पेट–भर	पेट–भर	पोट्टामेंज	पेट भर	पोटा मेंड	ढ़ाढ भर	कूल उड़ना
फँसना	फँसइ	इरकना	लटकतोर	हिर्राना	बाझना	बझरना
फँस गए	फँसगें	इरकता	लटकला	हिर्रतूर	बायझ गईस	बझरा केरा
चिल्लाना	चिचियइ	केयना	चिचयातोर	किर्री	किरलाना	चिचियाराना
चिल्लाने लगे	चिचियाए लागिन	केयनोर धरला,	चिचयाउक लागिस	किर्री हियना हेलरर	किरलाय चिचयाउक	चिचियारा मुरयाला
बहेलिया	सिकारी	वेटातोर	बनवा, पारद बिता	पिटेंग हवकवाल	बिलहोर	ओड़ा धरऊ आलस
घबराना	डेर्राना,डेरइ	वेरस	डरतोर	वर्रियाना	घबराबे	एलचना
घबराओ मत	डेर्रावव झन	वेरयमा	नी डरा मत	वर्रिया	झिन घबराबे	अमा एलचा
जोर लगाना	बल लगइ बअना	जोर लगाकिना	बल लगातोर	लाव कियना	बल लगाबे बअना	सवंग लगा
जोर	जोर	जोर लगाओकिन	बल लगावा, बपु करा	लाव (बागुर)	बल लगालगाओ	सवंग लगा बाचा
जाल	फाँदा	जाल	जाल	राई	फांदा	जल्ली
टूटे–फूटे	टुटका–फुटका	डरगता–मिरगता	टुटलो–फाटलो	ओर्रलेंग	टूटल–फूटल	खोटोरक
मकान	घर	लोन	घर	लोन	घर	एड़पा
इशारा	इशारा	इशारा	इंगित	किशिमना	कनकी	ऐदना
धन्यवाद	धन्यवाद	धन्यवाद	–	जोहारआई	धन्यवाद	बाम्मे
क्षमा	माफी	माफी	छमा,खेमा,माफी	मापी	छमा	क्षमा, ढापी
			पाठ–8 कौन ?			
दिशा	दिसा/डहर	–	दिसा, बाटे	वड़का	खुंट	दिशा
निर्मल	साफ/फरी /आरुग	निर्मल नाहलो	सफा,मईल	निरकुल	फरी	सफा

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

नदियाँ	नदिया मन	कुये	नंदि मन	डोडक	नंदी मन	खाड़
जग	दुनिया/जग	दुनिया	सँवसार	बुम, दुनिया	भव सागर	धरती
प्यास	पियास	एरउंडावेयतना	पियास	उन्डावसले	पियास	ओनका
मीठा	मीठ/गुरतुर	मीगंता	मीठ	मिरंगुल	गुरवॉ	एम्बा
मीठे	मीगंताव	मीठ मन	मिरंगलेंग	मिरंग्ले	गुरवॉ	तीनना
झरना	झरना	झरना	झरन	गोदोर्रका	घाघी	पझरा
झरने	झरना मन	–	झरन मन	गोदोर्रकांग	घाघी मन	पझरा
हरियाली	हरियाली	–	रुख–राई	लह लहेमाले	हरियर	हरियर
बादल	बादर	मोयोल	बादरी	गूहरा	बदरी	बदाली
नभ	अगास	–	सरग	बुम, दुनिया	अगास	मेरखा
इंद्रधनुष	इंद्रधनुष	भीमालविल	इंदर धनु,	डोमा विल्ल	बीरो धनउ	बोरा
रचना	बनाना	माड़ना	बनातोर, गडतोर	पंडाना	रचना	गड़ना,कमना
रच	बनना	माड़ा	बनाव, गड़	पंड्स	रचा	गड़या
प्रश्न	सवाल	प्रश्न	प्रस्न	जबान	परसन	मेनता
पाठ–9 मिट्टी						
गाँव	गाव	नार	गाँव	नार्र	गॉव	पद्दा
गली	गली	गुड़ेम	खोर	गली	कोली	डुला
खेत	डोली	वेडा	बेड़ा	वेड़ा	खेत	खल्लों
मिट्टी	माटी	तोड्य	माटि	तोड़िय	माटी	खज्जों
बूँद	बूंद	बोटक	बुंद	डोंगे	टिपा	टिप्पा
महकना	ममहाना	महक	बासना	दैयंगले	बसना	चःअना
महकी	ममहाइस		बासना दिली	दैयंक्त	बसाइस	चांअचा
सोधी–सोंधी	सोंध–सोंध	सोधी–सोंधी	माटि चो बासना	दैयगले–दैयंगले	सोंध–सोंध	सोंधहा
बोझ	बोझा	बोझा	बोज, बोजा	बोजा	बोझा	ओत्था
मोल	मोल	मोला	मोल	मोला	पटाए	दाम
सलोने	साँवरे	सलौने	सुंदर	सजेमाले	सुघर	दौ–दौ
पाठ–11 मड़ई मेला						
गाँव	गाँव	नार	गाँव	नार्र	गांव	पद्दा
मड़्ई मेला	मड़इ मेला	मंडई करसाड	मण्डई	मंडेय	मिलन मड़ई	मड़ई–जतरा

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

सुबह	बिहनिया	नरकोम	बिहान	नर्रकीय	बिहान	पइरी
जाना	जवई	दायना	जातोर	दायना	जाबे	काना
जाने के	जाए बर	दायनिक	जातो काजे	हंदला	जायबर	काला गे लिए
तैयार	तियार	तिहार	तियार	जोंग	तियार	तेयार
तेल	तेल	निय	तेल	निय	तेल	इसुंग
कंघी	कंधी	इच्चाड़	कंगी	कंगी	ककई	बघीरका
बच्चे	लइका मन	पितला	पिला मन	पीलंग	लइकामन	खद्दर
सभी	सबे, सब्बो	जमाय	सपाय, जमाय	सप्पाय	सबझन	ओरमर
खाना	जेंवन	डोडज्ञ	भात–पेज (भोजन के अर्थ में)	गाटो	जेवन	मण्डी
खाकर	खाके	तिंजमंज	खाउन	तिंज	खायके	ओनर
देखना	देखइ	उड़ाना	दखतोर	हूड़ना	देखबे	एरना
चल पड़े	रेंगे ल धरिन	अत्ता	हिण्डुक धरला, हिण्डुक मुरयाला	हत्तूर	रेंग देहिन	चइल केरर
करीब	तीर म	आ पेरके	लगे	हेरे	लिघे	हेद्दे
पहुँचना	पहुँचई	पवद्ना	अमरतोर	अवना	पहुचिस	अड़सना
रहँचुली	रहचुली	मत्ता	रांहटा	रहटोली	रेहट	रमडिलवा
आवाज	अवाज	लेंग	गरजन	लेंग	अखोर	गूल
सुनना	सुनइ	केंजना	सुनतोर	केंज्ना	सुनबे	मेन्ना
सुनाई पड़ने लगी	सुनाए ल धरिस	केंजनानोर	सुनुक होली	केंजिहंद	सुनाई देइस	मेंदरआलगिया
जल्दी	झटकुन –जल्दी	उभय–उभय	झटके–झटके,	सांडे–सांडे झपके–झपके,	हालू–हालू	चांड़हे –चांड़हे
झूलर	झुलना	उयल	झुलना	रहटोली	ढ़ेलवा	ढिलवा
पास	तीर	साठ	लगे	हेरे	लिघे	हेद्दे
कूदना	कुदइ	लग्ना	कुदतोर	डेवना	तरकना	डेगना
कूद पड़े	कूदिन	लग्तोर	कुदला	डेवतूर	तरक देहिन	डेगचर चिच्चर
शुरु हुआ	सुरु होइस	शुरू अत्ता	मुर होली	मूड़आत	ओर होइस	ओरे मन्जा

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

चिल्लाना	चिचियइ	केयना	चिचयातोर	किर्रीहियना	चिकरना	चिचियारना
चिल्लाने लगे	चिचियाए लगिन	केयनोर	चिचयाउक धरला, चिचयाउक मुरयाला	किर्रीहिया मूड़ कीतुर	चिकरे लागिन	चिचियारआ हेल्लर्
डर	डर	वेरयाना	डर	वर्रे	डर	एलचना
मुँह	मुँह	टोड	मुँहु	टोड	थोथना	बई
छुपाना	लुकइ / लुकाना	मिसाना	लुकातोर	मोकह्ना	लुकाना	नुड़ना
छुपा लिया	लुका लिस लुकाए लेहिस	मिसतोर	लुकाली(स्त्रीलिङ्ग) लुकालो(पुल्लिङ्ग)	मोकिहतूर	लुकाए लेहिस (उभयलिङ्ग)	नुड़चर
आगे बढ़े	आगू लिस	मुन्ने अत्तोर	फयले गेला	मूनेक हत्तूर	आगू बढ़	मुन्धवारे केर्र
दफड़ा	दफड़ा	डफड़ा	डफली बाजा	डबर्रा	डफला	डफला
निशान	निसान बाजा	चिन्ह	बाजा	सीना	चिन्हा	चिन्हा
मोहरी	मोहरी	मोहरी	मोहरी	मोहिर	मोहरी	मोदरी
बाजे	बाजा मन	डोल्क	बाजा मन	नेक्ना	बाजा मन	बाजा
सुदंर	सुग्घर	सोभा	सुंदर	सोबले	सुघर	दौ
रंग बिरंगी	रंग बिरंग	रंग–रंगता	रंग–रंग चो, भिने–भिने रंग चो	आनित–बानि	रिकिम रिकिम	रिंगी–चिंगी के रंग
पोशाक	ओढ़ना कपड़ा	गिसड़ी	पिन्दतो कपड़ा, पिन्दतो फटइ	साजु	ओढ़ना	किचरी
फूल माला	फूल माला	फूंगानेरक	ढोण्डा–माल	पुंगाई नेर	फूल–माला	फूल–माला
सजे	संभरे	सजे	सिंगार होलोर	सजेह	सजाल	अईनका
समूह	दल	रोत्	गोहड़ा	कुप्पा	दल	खोड़हा
नाचना	नचइ	एड्ना	नाचतोर	ऐंदना	नाचबे	नलना
नाचते हुए	नाचत–नाचत	ऐंदो	नाचते	एदसोर	नाचत	नलते
मुखिया	मुखिया	मुखियान	मुखया	मूड़िया	सियान	उरबस
हाथ	हाँथ	कैय	हात	कय	हाथ	खेक्खा
परघाकर	परघा के	परघाकिस	परघाउन	पड़गेह कीस	परिघायके	पइरघअरकी
गाड़ना	गड़ियाना	गाड़ाकिना	गाड़तोर	मिसना	तोपना	गड़ना
गाडकर	गड़िया के	गाड़ाकिस	गाड़ुन	मिस्स	तोपकर	गड़अरकी
पूजा करना	पूजा करइ	पूजा कियना	पुजा करतोर	सेवा कियना	पूजा करना	पूजा नन्न

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

तरह–तरह	आनी–बानी के	अलग–अलग	बानि–बानि	आनित–बानित	रिकिमरिकिम	अरन–बरन
दुकानें	दुकान मन	दुकानी	दुकान मन	दुकानींग	दोकान	बग्गे दोकान
रंगीन	रंगीन	रंगता	रंग बिती	रंगता	रंग	रिगी–बिगी
फुग्गे	फुग्गा	फूंगा	फुगा मन	फुगंग	फूग्ग लाडू	बग्गेम फुगा
गुलगुला	गुलगुला	गुलगुला	गुलगुजा भजेया	गुल–गुला	गुलगुल	गुल–गुला
भजिया	भजिया	भदिया	भजेया	बजिया	भजिया	पकोड़ी
लाडू	लाडू	लाडू	लाडु	लाडू	लड्डू	लड्डू
करी लड्डू	करी लाडू	कारी लाडू	केरी लाडु	सेव लाडू	लड्डू	करी लड्डू
खरीदना	बिसाना/बिसइ	असाना	घेनतोर	अस्ना	बेसाना	खेंदना
खरीदे	बिसइन	असतोर	घेनला	असतोम	बेसाय	खींदि्दयर
खाना	खवइ	डोडा	खातोर (क्रिया)	तिंदाना, गाटो	खाना	ओनना
जलेबी	जलेबी	जलेबी	जलबी	जलेबिंग	जलेबी	जिलेबी
बड़ा सा	बड़े जन	बिरया	बड़े असन	बरहाय	रोट ले	कोंहम
गन्ना	कुसियार	गुड़ाडांडा	डाण्डा	डांडा	कुसियार	कतारी
टुकड़े	टुकड़ा	तुकडा	गोन्दा मन	कुटकंग	टूटका	खंड़ा
चूसना	चुहकना	चूसाकियना	चुहरतोर	हुह्कना	चूसना	चीपना
चूसते रहे	चुकहत रहिन	चूसाकिसोमनोर	चुहरते रला, चुहरते रोहोत	हूह्कसोर	चूसत रहिस	चीपते रहचर
खिलौने	खेलउना	करसनाव	खेलतो सज मन	कर्रसानंग	खेलोना	बेचना आलो
जहाज	जिहाज	–	जाहाज	जहेज	चिकरे लागिन	घटोला
गुड़िया	पुतरी	–	पुतरी	पुतरी	डर	पुतली
रेल	रेल	रेलगाड़ी	रेल	रेल	थोथना	रेलगाड़ी
मोर	मँजूर	मल्ल	मंजुर	मल	मंजुर	मिंजुर
कार	कार	डुंगर गाड़ी	कार	जीप	कार	कार
बड़ी–बड़ी	बड़े–बड़े	बिरया–बिरया	बड़े	हजोर, बेहरा	आगू बढ़	कोहां–कोहां
गेंद	पुक	गेन्द	उचुदना	कुडवाल	डुला	गेंदा
घूमना	किंदरना	तिरयना	बुलतोर	वल्लीयना	चिन्हा	कुद्दना
घूम–घूमकर	किंजर–किंजर के	तिरयी–तिरयी	बुलुन–बुलुन	वल्लियस–वल्लियस	मोहरी	कुद्दा–कुद्दा

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

सामान	सामानी	जमक, सज	जिनिस, तिज	बीडार	बाजा मन	आलो
एकत्र	जुरियाए	जमा जुहालोर	रुण्डालोर,	गूडह्ना रिकिम के रंग	रिकिम	जुमरअर
वापस	लहुट	आपस	बोहड़, फिर	मलहना	ओढ़ना	किर्रर
घर	घर	लोन	घर	लोन	फूल–माला	ऐड़पा
खुश	खुस	खुश	हरिक	गिर्रदा	खुस	रिज्झ
			पाठ–12 ऊँट			
ऊँट	ऊँटवा	ऊंट	ऊँट	ऊट	ऊंट	ऊंट
चलना	रेंगइ	तातना	हिण्डतोर	ताकना	रेंगना	एकना
चला	रेंगिस / चलिस	ताकता	हिण्डलो	हत्त	रेंगा	इकिया
हिलना	डोलना / डोलट / हालई / हलइ	हिलेमयना	हालतोर	मलयाना	डोलना	हिलरा
हिलता	दोलत / हालत	हिलेमासो	हालते	मलियसोर	डोलथे	हिलीरते
डुलना	डुलना	डुलेमयना	झुलतोर	गूड़ना	डुलना	डोलारना
डुलता	डोलत हे	डुलेमासो	झुलते	गूड़सार	डुलथे	डोलोरते
इतनी	अतेक	इच्चोर	इतलो / इतरो	इच्चो	इतना	एतेक
लम्बी	लम्हरी	लाठी	लाम	लाट	लम्मा	दीघहा
टाँगों वाला	गोड़ वाले	कालक नाव	पाँय बिता	लॉटकाल्क बित्ती	टंगरी दार	ख़ेड्डे मइदका
ऊँची	ऊँच	पोरो	डेङ्गी	डेंगल	उच	मेच्छा
गर्दन	गर / गला	गुडगा	टोडरा	टोडर्रा	ढ़ेटू	खेस्सेर
बालू	रेती	बालू	बारु, कुदुर	मनुम	रेता	चलकूर, धुली
ढोना	डोहारना / डोहरइ	एड़ज	बोहतोर	टडियना	डोहना	चेड़ना
ढोने दो	डोहारन दव	कांजना	बोहुक दियास	टडियहीम	डोहे दा	चेढ़ाचिआ
फँसना	फँसइ	कांजीम	लटकतोर	हिर्रना	बाझना	बझरना
थकना	थकइ	इरकना	थाकतोर	हंजाना	थकना	खड़दना
थककर	थक के	एयवीमंज	थाकुन	हंच्च	थाइक के	खड़दरकी

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

बैठना	बइठइ	उद्‌ना	बसतोर	उद्‌ना	बइठना	ओक्कना
बैठेगा	बइठही	उदीतिन	बसेदे	उदानूर	बैठही	ओक्को
करवट	केंरवट	ओयेरा	करवँट		करोदिया	चोख्खो
बताना	बताना / बतइ	केतना	सांगतोर	वेहना	करोठिया	तेंग्गना
बता सकेगा	बता सकही	केतापरदितिन	सांगुक सकेदे	वेह पर्रानूर	बताय सकही	तेंगा ओंग्गोस
कौन	कोन	बेनो	कोन	बोर	कोन	ने–तग्है
भला	भला	भला	भले	दरमोती	भला	दौ
पाठ–13 आई एक खबर						
अभी	अभी	इंजे	एबे	इजेक, इदेक	अझे	अक्कुन
खबर	खभर	खबूर	खबर	कबीर, कगो	खभेर	खभईर
आना	अवइ	वर	एतोर	वायना	आबे	बरना
आई	आइस	वत्ता	इली	वात	आईस	बरचा
मक्खी	मासी / माछी	गुगे	माछि	वीस	माछी	तिंगली
रानी	रानी	रानी	रानी	रानी	रानी	रानी
उसको	ओला	ओन	हुनके	ओन–तान	ओला	असीन, अदीन
लाना	लवइ	तरा	आन	ततना	लानबे	ओंदरना
लाई	लानिस	लाई	आनली	तत्	लानिस	ओंदरा
टिड्डा	कनकट्टा	पारंदे	थापा	पापे	फंम्फा	बोख्खो
हाथी	हाँथी	एन	हाति	हत्ती, एनी	हाथी	हथी
मारना	मरइ / मारना	रेहतना	मारतोर	हवकना	मारबे	लवना,पसना
मारा	मारिस	रेहतोर मारली (स्त्रीलिङ्ग)	मारलो(पुल्लिङ्ग) (पु.)	हवकतूर	मारिस	लवचा
क्या करता	का करतिस	बाता कितिन	काय करतो	बाता केवेना	का करतिस	एंदर ननोस
बेंचारा	बिचारा,बपरा	पापम	बोपड़ा	बिचरंगा	बपुरा	गोरगोरा
घुस बैठा	खुसर के बइठिस	ओड़ई उद्‌ता	ओलुन दिलो	होड़ियस उदितूर	ढुक बैठिस	कोरअर की उक्कियस
मटका	मरका	कुडा	हांडि	मल्ला, अड़का	गगरी	कट्टू
अंदर	भीतर / भितरी	लोपा	भितरे	लोप्पा	भीतर	भीतरे

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

ढाई	अढ़इ	रेंड, आधा	अड़इ	अढ़ई	अढ़ाई	अढ़ाई
बंदर	बेंदरा	कोवे	बेन्दरा, माकड़	मूंज	बंदरा	बंदरा
रुकना	थम्हना,रुकना थम्हर रुकइ	केपना	थेबतोर	रोमना	ठढ़ोना	इजना
रुकी	थम्हिस/रुकिस		थेबली	रोमा	रूकिस	इजस
आँसू	आँसू		समुंद	केनेर्र	आंस	खंजलखो
धारा	धार	धारा	खर	पोंगना	धार	पइड़ी
समुदर	समुन्द्र/समुंद	गोदार	लटकतोर	टड्डी	समुंदर	समुंदर
खारा	नुनछुर	ओवोर	लटकु	हवोर	नोनछु	खार
फँसे हुए थे	फँसे रहिन	इरकीमत्तोर	भितरे	हिर्रसमतोर	बाझे रहिन	बझरका रहचर
मच्छर	मच्छर/मँगसा	नुले	भुरसुंडि, मछड़	नुस्मे	भुसड़ी	भुसड़ी
लात मारना	लात मारना/ जमाना	लात वाटना लतियइ	लात मारतोर	लात हार्राना	लाथना	लथना
लात	लात	लात	लात	लात	लाथ	लाथ
कसकर	कसके	–	चमकट	कसे–कीस	कइस के	पुरकस
फूटना	फुटइ/फूटना	फिरदना	फुटतोर	ओर्रना	फुटिस	खोट्टरना
फूटा	फुटिस	फिरता	फुटली	ओर्रत	फुहिस	खोट्टरा

पाठ–14 चूहे को मिली पेंसिल

चूहा	मुसवा	उप्पे	हुप्पे, उप्पे	मुसटा	ओसगा	
खाने के लिए	खाए बर	डोडा	खातो काजे	तिंदला	खायबर	मोखा गे
कुछ	कुछू	छुडुक	काई	हुचुक	कांही	कटिक
ढूँढ़ रहा था	खोजत रहिस	मेहको मत्ता	डगराते रलो	पड़कसोर मत्तोर	खोजत रहीस	बेद्दालगिया
पेंसिल	सीस/पेंसिल	पिंसिल	पिन्सल	पेंसिल	पेनसुल	सीसा
उलटना–पलटना	उलटइ–पलटइ मिड़तना	तेहतमा–पलटतोर	उलटतोर–मायना	उल्टे पल्टे कलथी	अलथी–	बिड़िदना–खड़दना
मुझे	मोला	नाक	मोके	नाकुन	मोला	एंग्गन

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

छोड़ना	छोड़इ	विड़सना	छांडतोर	तासना	छोड़बे	अम्बना
छोड़ दो	छोड़ दे	विड़साठ	छांडुन दियास	तासहीम	छोयड़ दे	अम्बा चिःआ
जाने दो	जावन दे /जान दे	दाइम	जाउक दियास	हंदा–हीम	जाय दे	काला चिःआ
गिड़गिड़ाना	जोजियाना, जोजियइ	केयीकेयी	हात–पांय जोडतोर	लालेमायना	केलोली	गोहरारना
गिड़गिड़ाकर	जोजिया के	केयीकेयीमेंज	हात–पांय जोडतोर	लालेमास	केलोली कईर के	गोहरअरकी
काम	काम	बूता	बुता	बूतो	बुता	नलख
लकड़ी	लकड़ीकठवा	कटिया	दारु,लकड़ी	वर्रक	लकरी	कंक
टुकड़ा	टुकड़ा	तुकड़ा	गोन्दा	कुटका	टुटका	खड़ां
अच्छी	अच्छा	नला	नंगत, निको	चोकोट, बेसबन्ने	सुघर	बने
कुतरना	कतरना	कुतराकियना	कतरतोर	कतरे कियाना	कतेरना	केगेरआना
कुतरुँगा	कतरहूँ	कुतराकितान	कतरेन्दे	कतरे–कियका	कतरहॅ	केगेरःओन
अपने	अपन	तनवा	आपलो	मावोर	अपन	तंग्है
दाँत	दाँत	पल्क	दात	पल	दॉत	पल्लो
पैने	चोक्खी / धार वाले	करतोर	गोजेया	होड़ले	चोख	धारे
छोटे	नानुक	चुड़ला	नानी	हुडिला	नान	सन्नी
हमेशा	हमेसा हरदम	आरामेशा	–	रोज्जे	रोजेच	उर्मी बारी
कुछ न कुछ	कुछु न कुछु	बातैय–बातैय	काईं नाहले काईं	बाता हिल्ले बाता	कांही न कांही	इन्दरिम मल–इन्दरिम
दर्द	पीरा	एरय	दुखा	नोमुर	पीरा	नुंजना
आखिरी	आखरी	आखिरी	–	आकरी, मारत	आखरी	आखरी
चित्र	फोटू / छाया	सित्र	बाना	पोटो–चापा	फोटो	छपा
चबाना	चाबना,चबइ	अड़वाना	चाबतोर	कस्सकना	चबाबे	चबना
चबाकर	चाबके	अड़विमेज	चाबुन	कस्सक्स	चाएब के	चबअरकी
तुम्हारे	तोर	निवा	तुचो (एकवचन), तुमचो (बहुवचन)	निय्या,मिय्या	तोर	निंग्है

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

मजा आना	मँजा अवइ /मँजा अवइ	मजा वाना	मंजा लागतोर	गिर्रदा–वायना	मजा आईस	दौ लगना
मजा आ गया	मँजा आगे	मजा वत्ता	मंजा लागली	गिर्रदा वात	मजा आ गईस	दौ लगिया
बड़ा–सा	बड़े जान	बिरया	बड़े	बरहा हजोर	रोंट	कोंहाम
गोला	गोला	गोला	गोला	गुरियात	गोल	गोलाई
साँस	साँस	नेसकाड़	निनास	नेस्कना उकुर	सॉस	सांस
पनीर	पनीर	कृसा	पेवँस	किर्रचा	पनीर	पनीर
छेद	छेद, भोडू	बोहका	काना	बूका	भोंगटा	भोन्का
नजर आना	नँजर आना /नँजर अवइ	उड़नायना	दखा देतोर	डिस्त अराना	नजेर आइस	एथेरना
नजर आ रहे थे	नँजरआवत रहिस	उड़नायमुंतोर	दखा देसोत	डिस्त अरयतोर	नजर आवत रहिन	एथेरआ लगियर
अंदर	भीतर	लोपा	भितरे	लोपा	भीतर	भीतरे
सेब	सेव	सेव पण्डी	सेव	सेवक	सेव	सेव
अजीब	अलकरहा	–		अडर्रा	गजब	अजीब
चमचमाना	चमचम	पोतानेद	चमचम	रस्सगुलंग	चमचम	बिलिचना
ऊपर	उप्पर	पोरो	उपरे	पोर्रो	उपरे	मईयां
तिकोन	तिकोर	तिकोना	तीन खुटया	मूंड कोटूह	तिनखुटिया	तिकुना
चीखना	चिचियाना	तुमना	किरकिरतोर	लंजना	किरलाना	चिचियारना
चीखा	चिचयाइस	चीख	किरकिरलो	लंजतान	किरलाइस	चिचियारा
मूँछें	मेंछा	गडोक	मेछा मन	मीसांग	मेछा	गोच्चो
मुँह बनाना	मुँह बिचकइ	टोड माड़ना	थोतना के अलटतोर	टोड्ड पंडाना, टोड्ड हूयहना	बिजारना	बईन गोर्रे ननना
मुँह	मुँहबिचकइस बनाया	टोड माड़तोर	थोतना के	टोड्ड पंडतूर अलटलो	बिजारिस हुयीहतूर	बईन गोर्रे ननजा
डरना	–	वेरताना	डरतोर	वर्रियाना	डराय	एलचना
डरकर	डरके	वेरसमेंज	डरुन	वर्रियस	डराय के	एलचर की
चिल्लाना	चिल्लाना	केयना	चिचयातोर	किर्री हियना	किरलाना	चिचियारना

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

चिल्लाया	चिल्लाइस	केयतोर	चिचयालो	किर्रीहीतूर	किरलाइस	चिचियार
बिल्कुल	बिल्कुल निच्चट	मिज्जाम	निरभान	कचित	सिरथों	एकदम
असली	असल	नलोड़ा	असली	सोराना	असली	सच्चेम
बचाना	बचई	बचाकिना	बचातोर	पिसह्ना	बचाबे	बछाबअना
बचाओ	बचाओ	बचाकिमुट	बचावा	पिसहाट	बचावा	बछाबआ
भागना	भगना/भगइ	मिराना	परातोर	वित्ताना	भागबे	बोंग्गना
भागकर	भाग के	मिर्रीमेंज	पराउन	वित्स	भायग के	बोंग्गरकी
घुसना	खुसरना /खुसरइ	नेगना	ओलतोर	होड़ियना	ढुकना	कोरना
घुस गया	खुसरगे	नेगता	ओललो	होड़ियतूर	ढुइक गइस	कोरचा

पाठ–15 धूप

बीतना	पहाना	आतेद्	सरतोर	माराना, दायना	बीतिस	बितिरना
बीती	पहागे	अत्ेद	सरली	मारत	बिती	बितिरका
रात	रात	मुलपे	रात	नर्रका	रायत	माखा
उजियारा	अंजोर	वेहसना	उजर	उजियारा	इजोर	बिल्ली,इन्जोत
घर	घर	लोन	घर	लोन	घर	एड़पा
आँगन	अंगना	द्वार	दुआर	रच्चा	अँगना	चाली
उतरना	उतरना	डिगना	उतरतोर	रैयना	उतरबे	एत्तना
उतरी	उतरगे	डिगता	उतरली	रैयत्	उतरिस	एत्तिया
धूप	घाम	धूपाम	घाम	अद	घाम	बिड़ना
कण–कण	कन–कन	चुडू–चुडू	कन–कन	उचुहनंग काडिंग	कन–कन में	छोटे–छोटे
पत्ते–पत्ते पर	पाना–पाना मा	आकी–आकी नेग	पाना–पाना ने	आक–आकते	पतई–पतई में	अतख–अतखा नू
हँसना	हाँसना/हँसइ	कवद्ना	हाँसतोर	कवना	हसबे	अलखना
हँसती –गाती	हाँसत–गावत	कवस पारी	हाँसते–गावते पाटा ओयता	कवसोर	हसत–गात	अलखूते –पाड़त
बिखरना	बगरना	रनबन	बिखरी होतोर	बिखरना	बगरना	बीड़रअना

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

बिखरी	बगरगे	रनबन अत्ता	बिखरी होली	लीकी आत	बगरिस	बीड़रआ
पर्वत	पहाड़	मेट्टा	डोङ्गरी	मट्टा	पहार	परता
चोटी	फिलिंग		टिप	सूंद, टिंग	टीप	चूंदी
उछलना	उछलना /उचकनो	लगना	उधलतोर	डेवना	तरकना	उछलारना, उदकारना
उछली	उचकिस	लंगता	उधलली	डेवत्	तरकिस	उछलारआ
झरना	झरना		झरन मन	गोर्दरंग	घाघी	झरना
बेलना	बेलना		बेलना	नोटना	बेलना	बेलना
खेली	खेलिस	करसता	खेलली	कर्रस्त	खेलिस	बिच्चिया
सागर	समुंद	गोदार	समुंद	टड्डी	समुंदर	समुदर
लहर	लाहरा	गाकुड़	लहरी मन	एर्रजेल	भोंयड़	लहर
नाचना	नचइ	एंदना	नाचतोर	एंदना	नाचबे	नलना
नाची	नाचिस	एंदता	नाचली	एंदित	नाचिस	नलिया
सहेली	संगवारी / गियाँ	संगताव	संगवारिन	जोड़ी	सखी	संगनी
पंछी	चिरइ	पिट्टे	चड़इ	पिट्टे	चरई	ओड़ा
पंखों पर	पाँख मा	पंखाने	पाखि मन ने	मारेकिने	डेना में	पेंछो मईया
चमकना	चमकइ	चमकेमायना	चमकतोर	चमकना	लौकना	बिलचना
चमकी	चमकिस	चमेमत्ता	चमकली	जिगमिग आत	लौकिस	बिलचिया
फूलों पर	फूल मन मा	फंगानेग	फुल मन ने	पुंगहने	फूल में	पूंप मईया
धरती	धरती / भुइयाँ	भम	धरती	नेल	भूइंयां	खेखेल
कोने– कोने तक	कोंटा– कोंटा मा	कोना–कोना एवना	कोण्टा– कोण्टा ने	कोटुल– कोटुदे	कोनहा– कोनहा मे	कोंड़ा –कोड़ा नू
दिखाई	देखब मा आना	उड़नाना	दखा देतोर	डिस्त अरना	दिखथे	एथेरना

पाठ–16 छोटे–छोटे कदम

छोटे–छोटे	नान्हे–नान्हे	छूड़ला–छूड़ला	नानी–नानी	हुडिला–डुहिला	नान–नान	सन्नी–सन्नी
कदम	पाँव	गोंजी	कदम	डाका	पांव	चटखना
आगे	आगू	मून्ने	आघे	मुन्ने	आघू	मुन्धवारे
पढ़ना	पढ़ई / पढ़ना	पोढ़ेमायना	पड़तोर	पड़हे	पढ़ना	बचना

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

हाथ	हाँथ	कैय	हात	कय	हाथ	खेंक्खे
साफ	साफ	नारदना	सफा	कियना	सफा	सफा
मेहनत	मिहनत	काम कियानाद	मसागत	कमाइत,कमय,बूतो	मिहनत	मेहनत
पाठ–17 चित्रकोट जलप्रपात						
छुट्टी	छुट्टी	छुट्टी	छुटि	तातिल	छुट्टी	छुट्टी
मामा	ममा	मामा	मामा	ममा	मामा	मामू
बैठक कक्ष	बइठक कुरिया	मिटिंग कोली	सबका खोली	उदना, कोली	ओसरा	ओकना अड्डा
जल प्रपात	जल परपात, झरना पानी झरना	जल प्रपात	घुमर गोदरंग	गोदोर्रका,	घाघी झरना	अम्म ही
टाँगना	टंगइ, टांगना	वेड़तना	ओरातोर	वड़िहना	टांगना	टंगना
टँगा था	टंगाए रहिस	वेड़हसमथा	ओराउ रला	वड़िहना मता	टांगेरहिस	टंगचका रहचा
दफ्तर	ऑफिस	ऑफीस	–	ऑपिस	आपिस	अफिस
जीप	जीप, मोटर	जीप	जीप	जीप	मोटर	जीप
तैयार	तइयार	तियार	तियार	जोंग	तियार	सपड़रका
जल्दी–जल्दी	लकर–लकर,	उभय चांडे	झटके, झपके	सांडे–सांडे	हालू हालू	चांड़हे–चांड़हे
घंटा	घंटा	घंटा	घंटा	गंटंग	जुआर	घंटा
फेन	फेन, गाजा, झाग	फेन	फेन	पंका	झाग	बोट्टो
दूध की तरह	दूध कस,	पालदाले	गोरस असन	पाल लेहका	गोरस नियर	दुदही लेक्खा
धारा	धार	धारा	धार	पोंगना	धार	नइंर
शोर	सोर	लेंग	अंदल, कोलार	किर्रसांड	गुल	गूल
संगीत	गाना–बजना	पाटा	गीत–गोविन्द, संगीत	रूजूम	गीत	डण्डी
आनंद	मजा	खुशी	मंजा	गिर्रदा	मजा	रिझ
नन्ही–नन्ही	नान–नान	छुड़ला–छुड़ला	नानी–नानी	लाडो–लाडो, नूनी	नानकुन–नानकुन	सन्नी–सन्नी
मनोरम	सुग्घर	नला	मन के भावतो आसन	सोबय डिस्ले	मोहिन	बढ़िया
अस्त होना	बूड़ना	मुड़दना	बुड़तोर, बसतोर	मुंड़दना, अरोना	बुड़ना	पुतना
आज्ञा	हुकुम	आज्ञा	आग्यां	वेहना	हुकुम	हुकुम

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

पाठ–18 क्या है उसका नाम ?						
पक्षी	चिरइ	पिट्टे	चड़इ	पिट्टे	चरई	ओड़ा
पिंजरा	पिंजरा	पिंजरा	पिञ्जरा	पिंजड़ा	खोदरी	पिंजरा
अक्षर	आखर	अक्षर	अक्छर	आचेर	आखर	अक्षर
निराला	नियारा,निराला	नलोटा	सब्ले भिन	एक्ट, गड़हेन	निराला	नन्नम
टाँगें	गोड़	काल्क	पॉय मन	काल्क	टंगरी	खेड्डे
गर्दन	टोंटा, घेंच	गुड़गा	टोडरा	टोडर्रा	ढ़ेटू	खेसेर
सुपा	सुपा	एत	सुपा	हेत	सूपा	केंतेर
कान	कान	केव	कान	कव	कान	खेबदा
चकरी	चकरी	चकरी	चकरी	चक्का	चकरी	चकरी
पाठ–19 साहसी बनो						
प्रसिद्ध	परसिद्ध	दाखा	परसिद	नामजागी	नामी	नामजद्दी
शहर	सहर	शहार	सहर, नंगर	सहेर	नंगर	शहर
पुरानी	जुन्ना	पानता	जुना	पड़ाना	जुनहा	पच्चा
घाट	घाट	घाट	घाट	मट्टा	घटिया	घाट
बंदर	बेन्दरा	कोवे	बेन्दरा, माकड़	मूँज	बंदरा	बंदरा
निडर	निडर	वेरवा	निडर	बिन वर्रे	निडर	डिड़गर
सामान	समान	समान	जमक, जिनिस,	तिज बीडार,	जिनिस चीज	समान,आलो
छीनना	झटकना,	नँगाना उंदना	झिकतोर	ऊँदना	लुटना	बच्चना
बाजार	बजार	हाट	हाट	हाटुम	बजार	बाजार, हाट
कंधा	खाँध	ऐटा	खांद	हट्टा	खांद	खेसेर
झोला	झोरा	झोरा	झोला/झोरा	जोरा	झोरा	थईला
करीब	लक्ठा	साठ	लगे	हेरे	लिघे	हेद्दे
दृश्य	दिरिस	उड़ाना	नजर	हूड़ाना, ओहनह आयना	दिरिस	एथेरना
सज्जन	भले मनखे	नलोटोर	नंगत मनुक	सोराना	सियान	दौआलस
मुकाबला	मुकाबला	मुंडासुड़ा	हारा–जीता	लड़े मायना	मुकाबला	अपटा
सीख	सीख	सीख मायना	सिखया	करिया	सीख	सिखाबअना
दुनिया	दुनिया	दुनिया	सँवसार	बूम, दुनिया	संसार	दुनिया

Downloaded from https:// www.studiestoday.com